सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
You Tube

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 173, नई दिल्ली । सोमवार, 02 सितम्बर 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

हिसाब किताब सिर्फ ऊपर वाले ने ही सही लगाया, सबको खाली हाथ भेजा और खाली हाथ बुलाया...

03 प्रदूषण दिल्ली सरकार की नाकामी को उजागर करता है ।- देवेन्द्र यादव
06 दुविधा में केंद्र, राजनीतिक दल और मुख्यमंत्री
08 रिभेंशा बिस्वबिद्यालय के नाम बदलने को लेकर राजनीति तेज हो गई

दिल्ली परिवहन विभाग में विशेष परिवहन आयुक्त के पद पर आसीन आईएएस अधिकारी शहजाद आलम द्वारा उनके अभी तक के कार्यकाल में जारी किए गए आदेशों / निर्देशों की निष्पक्ष जांच हेतु

दिल्ली की जनता और परिवहन विशेषज्ञों से राय की अपील

क्या दिल्ली परिवहन विभाग से तकनीकी अधिकारियों को हटाकर गैर तकनीकी अधिकारियों को तकनीकी पदों पर आसीन करने के साथ सोची समझी साजिश के तहत नई भर्ती नही करने से दिल्ली में वाहन / सड़क सुरक्षा सम्भव है ?

संजय बाटला

नई दिल्ली । आपकी जानकारी हेतु यहां स्पष्ट कर रहे है की आज से कुछ वर्ष पूर्व परिवहन आयुक्त द्वारा तकनीकी पदों पर आसीन करने के लिए सर्विस ब्रांच दिल्ली सरकार से गैर तकनीकी अधिकारियों की मांग की थी और दिल्ली सरकार के सर्विस ब्रांच ने 5 गैर तकनीकी अधिकारियों को तकनीकी पदों पर आसीन करने के लिए परिवहन विभाग में पोस्टिंग दे दी थी जिसका ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर्स एंड लेबर वेलफेयर एसोसिएशन ने लिखित में विरोध दर्ज करवाया । दुबारा से गैर तकनीकी अधिकारियों को तकनीकी पदों पर आसीन करने के उद्देश्य से परिवहन आयुक्त ने मांग की पर सर्विस ब्रांच ने तकनीकी पदों के लिए पोस्टिंग नही की । परिवहन आयुक्त ने नई चाल चली और उपराज्यपाल दिल्ली से एमएलओ पद का नाम बदलवा कर डीटीओ करवा दिया और शुरु किया अपना खेल । तकनीकी पदों पर जानबूझ गैर तकनीकी अधिकारियों की नियुक्ति और गैर तकनीकी पदों पर तकनीकी अधिकारियों को कर दिया नियुक्त । यह खेल और तेज हो गया जब विशेष परिवहन आयुक्त शहजाद आलम को पोस्टिंग की पावर दी गई । उन्होंने सभी तकनीकी अधिकारियों को एक एक कर के वीआरएस लेने के लिए मजबूर कर दिया और उनके इस कार्य को पूरा करने में आयुक्त, मुख्य सचिव और उपराज्यपाल दिल्ली का समर्थन मूक रूप से प्राप्त रहा । दिल्ली परिवहन विभाग में विशेष परिवहन आयुक्त द्वारा ऐसे अधिकारियो को आसिन कर दिया गया जिन्हे आज के नियम और क़ानून के बारे में रती भर भी जानकारी नही और ना ही व्यवसायिक वाहन श्रेणी के बारे में । पिछले हफ्ते इन्हीं के द्वारा आसिन ए एस ओ पद के अधिकारी द्वारा बीएच सीरीज के वाहन मालिक जो आर्मी में मेजर पद पर कार्यरत हैं को वाहन के हस्तांतरण के लिए वह कागजात मांगे जो बीएच सीरीज में लागू ही नहीं है और मेजर को कई जगह धक्के खिलवाए । डीसी आपरेशन के बीच में आने पर डीटीओ जो खुद गैर तकनीकी अधिकारी है ने उन्हे इस जानकारी के होने से मना कर दिया, अब आप सोच सकते हैं औरों के साथ क्या क्या घट रहा होगा ? दूसरी तरफ करप्शन की इच्छा रखने वाले उपायुक्त रामनाथन को खुल कर करप्शन करने के प्रति समर्थन प्रदान कर वाहन डीलरो को गलत परेशान करने का दायित्व निभाया जिसके पूरे कागजी सबूत उपलब्ध है । नोटिफाइड परिवहन शाखाओं को जनता के समक्ष पूर्व सूचना रखे बंद करवाना , महिला सुरक्षा के प्रति पैनिक बटन सेंटर को शुरु करवाने में देर करवाना, बिना पूर्व सूचना के इलेक्ट्रिक वाहनों पर टैक्स और पंजीकरण फीस लेना शुरु करवाना जैसे अनगिनत कार्य होने पर **हम दिल्ली की जनता और परिवहन विशेषज्ञों से अपनी कीमती राय देने की अपील करते है** जब सुरक्षा करने वाले ही असुरक्षा उत्पन्न करने लगे और उनसे सवाल जवाब करने वाले भी उनका साथ देने लगे तो जनता को सुरक्षा मुहैया कौन करवाएगा, बड़ा सवाल ? * आपके विचारो और राय का इन्तजार रहेगा ।

दिल्ली परिवहन निगम अपने कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियो को अन्य विभागों में आफिस ड्यूटी और अन्य कार्यों को करने के लिए डेपुटेशन पर भेज सकता है पर अपने कार्यालयों में ड्यूटी नही दे सकता, कैसा है यह अनोखा आदेश

दिल्ली परिवहन निगम परिचालन विभाग आईपी एस्टेट, नई दिल्ली-02

सं. एमजीआर(ओ)/2024/240

बैठक के कार्यवृत्त

दिनांकः 29.08 2024

दिनांक 21.08.2024 को प्रातः 10:30 बजे एमडी डीटीसी की अध्यक्षता में कॉन्फ्रेंस रूम डीटीसी 12 में संदर्भ पीपीटी बैठक आयोजित की गई । बैठक में निम्नलिखित अधिकारी उपस्थित थे

1. उप मुख्य महाप्रबंधक (सिविल)
2. वह सीजीएम (ऑपरेशन/पीएलडी)
3. सभी आरएमएस
4. सभी डी.एम.
5. प्रबंधक(ऑप.)

बैठक के दौरान निम्नलिखित बिंदुओं पर चर्चा की गई तथा सभी संबंधितों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गएः-

1) नियमित ड्राइवरों की संख्या का विश्लेषण किया जाए तथा उनकी कार्य कुशलता के अनुसार उन्हें टेबल ड्यूटी/नियंत्रण कक्ष/कार्यशाला/चेकिंग ड्यूटी पर तैनात किया जाए।

(उप मुख्य महाप्रबंधक (पीएलडी)/सभी आरएमएस/डीएम द्वारा कार्रवाई)

2) कंडक्टरों की संख्या का विश्लेषण किया जाए तथा उन्हें डिपो में आवश्यकतानुसार लाइन ड्यूटी पर तैनात किया जाए।

(उप मुख्य महाप्रबंधक (पीएलडी)/सभी आरएमएस/डीएम द्वारा कार्रवाई)

3) डिपो प्रबंधक यह सुनिश्चित करेंगे कि बसों की आउटशेडिंग निर्धारित समय के अनुसार की जाए तथा इस संबंध में किसी भी बहानेबाजी को स्वीकार नहीं किया जाएगा। (सभी आरएम/डीएम द्वारा कार्रवाई)

4) डिपो में टावर लाइटों की जांच संबंधित डीएम द्वारा की जाएगी तथा यदि कोई विसंगति पाई जाए तो उसे सुधारने के लिए विद्युत विभाग को सूचित किया जाएगा। (सीईडी/एआईआई डीएमएस द्वारा कार्रवाई)

5) क्षेत्रीय प्रबंधक डिपो मैनेजर को यह ड्यूटी सौंपेंगे कि वे साप्ताहिक आधार पर बसों की गहन सफाई की जांच करने के लिए रात्रि पाली में एक ड्यूटी करेंगे और डिपो मैनेजर व्हाट्सएप ग्रुप ₹डीटीसी मॉनिटरिंग ऑफ बस एंड क्रू₹ पर स्पष्ट फोटो साझा करेंगे। (सभी आरएम/डीएम द्वारा कार्रवाई)

6) डिपो में प्रदूषण से बचने के लिए, यदि डिपो में जनरेटर सेट उपलब्ध हो तो उसका उपयोग नहीं किया जाएगा तथा उसे सीएनजी ईंधन में परिवर्तित किया जा सकता है। (उप मुख्य महाप्रबंधक (सिविल)/जिला मजिस्ट्रेट द्वारा कार्रवाई)

7) प्रबंधक (आरएससी) प्रत्येक बड़ी/घातक दुर्घटना के बाद दुर्घटना स्थल का दौरा करेंगे और अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। डिपो के कामकाज से परिचित होने के लिए वह साप्ताहिक आधार पर डिपो का दौरा कर सकते हैं। (उप मुख्य महाप्रबंधक (आरएससी)/प्रबंधक (आरएससी)/डीएम द्वारा कार्रवाई)

8) किसी भी कर्मचारी का अंतर समायोजन क्षेत्रीय स्तर पर नहीं किया जाएगा। यदि आवश्यक हो तो संबंधित क्षेत्रीय प्रबंधक कार्मिक विभाग से संपर्क करेंगे। (सभी उप मुख्य महाप्रबंधक (पीएलडी)/आरएम द्वारा की गई कार्रवाई)

9) आरएम (दक्षिण) द्वारा सभी इलेक्ट्रिक डिपो से संबंधित आरएम के माध्यम से इलेक्ट्रिक बसों के ब्रेकडाउन डेटा एकत्र किया जाएगा और एसी विफलता के संबंध में प्रत्येक ब्रेकडाउन के तकनीकी विश्लेषण के बाद विस्तृत रिपोर्ट एमडी, डीटीसी को प्रस्तुत की जाएगी। सभी आरएम/सभी ई-बस डीएम द्वारा कार्रवाई)

(यह सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से जारी किया जा रहा है।

(ए.के. मैनेजर (ऑपरेशन)
सर्व संबंधित डीएम (एमपीडी) कंपनी
कृपया एमडी से संपर्क करें एमडी की जानकारी के लिए कृपया।
30/08/2024

देश के तमाम ट्रांसपोर्ट व्यवसाय से जुड़े साथियों से सवाल

आज मै आपसे एक सवाल करना चाहता हूं की पिछले कुछ वर्षों से ट्रांसपोर्ट व्यवसाय में जुड़े साथियों को सोचने के लिए विवश करने के उद्देश्य से आपके समक्ष कुछ बात रख रहा हूं। बात यहां किसी पार्टी विशेष की ना करके सिर्फ रोजी-रोटी पर ही केंद्रित है और आप मेरी बात से सहमत हो तो अपनी सहमति मुझे जरूर बताएं ताकि आगे की रणनीति तैयार की जा सके।

1 -मुख्यत इस व्यवसाय के लिए जरूरी ड्राइवरों की संख्या दिन प्रतिदिन घटती जा रही है जिसके कारण अधिकांश गाड़ियां बिना ड्राइवर के खड़ी है

2-आज विशेष कर छोटे कारोबारी सरकार की नीतियों के कारण भुखमरी के कगार पर खड़े हैं जिसका मुख्य कारण है आमदनी कम और खर्चा ज्यादा है बहुत कुछ करने के बाद भी गाड़ी मालिक दिन प्रतिदिन घाटे की तरफ बढ़ रहे हैं जिसके कारण पिछले 10 वर्षों में बहुत से लोग इस कारोबार को छोड़ चुके हैं

3- मार्केटिंग में काम कम होने के कारण पार्टियों द्वारा किसी न किसी रूप में गाड़ी वालों का शोषण किया जा रहा है

प्रिय साथी अगर आपके पास भी ट्रांसपोर्ट व्यवसाय को बचाने का कोई उपाय या सुझाव है तो अवश्य दें और ट्रांसपोर्ट व्यवसाय को बचाने की मुहिम का हिस्सा बनें

आपका साथी,
श्याम सुन्दर, महासचिव
दिल्ली एनसीआर ट्रांसपोर्ट एकता मंच

पर्यावरण पाठशाला: पेड़ों के आसपास इंटरलॉकिंग टाइल्स को हटाना और कंक्रीट मुक्त स्थान देना

डॉ. अंकुर शरण

आज की आधुनिकता और शहरीकरण के दौर में, हमने अपने आस-पास की प्रकृति को अक्सर अनदेखा कर दिया है। शहरों में सड़कों के किनारे पेड़ों के चारों ओर कंक्रीट और इंटरलॉकिंग टाइल्स बिछा दी जाती हैं, जो दिखने में तो सुंदर लगती हैं, लेकिन इसके गंभीर दुष्प्रभाव होते हैं।

कंक्रीट के खतरों के साइड इफेक्ट्स:

जड़ों का दम घुटना: जब पेड़ों के आसपास कंक्रीट या टाइल्स बिछा दी जाती है, तो पेड़ों की जड़ें प्राकृतिक रूप से सांस नहीं ले पातीं। जड़ें मिट्टी से पोषक तत्व और पानी नहीं ले पातीं, जिससे पेड़ कमजोर हो जाते हैं।

जल संचयन में बाधा: कंक्रीट की सतह से पानी भूमि में प्रवेश नहीं कर पाता, जिससे जल का संचयन नहीं हो पाता। यह पेड़ों को उनकी आवश्यकता के अनुसार पानी नहीं मिलने देता और इसके साथ ही भूजल स्तर में भी कमी आती है।

गर्मी का इकट्ठा होना: कंक्रीट की सतह दिन में गर्मी को अवशोषित करती है और रात में उसे छोड़ती है। इससे पेड़ों के आसपास का तापमान बढ़ जाता है, जो उनके लिए हानिकारक हो सकता है।

जड़ों की वृद्धि में रुकावट: कंक्रीट पेड़ों की जड़ों की वृद्धि को रोकता है, जिससे वे पर्याप्त स्थान नहीं पा पाते और उनकी प्राकृतिक विकास प्रक्रिया में रुकावट आती है।

मिट्टी का क्षरण: कंक्रीट के कारण मिट्टी के प्राकृतिक गुण जैसे कि नमी बनाए रखने की क्षमता, पोषक तत्वों की उपलब्धता और जैविक गतिविधियां प्रभावित होती हैं।

पेड़ों के आसपास कंक्रीट और इंटरलॉकिंग टाइल्स को हटाकर, हमें पेड़ों के जड़ों को खुला और कंक्रीट मुक्त स्थान देना चाहिए। इससे न केवल पेड़ों की सेहत में सुधार होगा, बल्कि यह हमारे पर्यावरण को भी स्वस्थ बनाए रखने में सहायक होगा।

आइए, हम सब मिलकर पर्यावरण पाठशाला के इस संदेश को फैलाएं और अपने शहरों को अधिक हरा-भरा और स्वस्थ बनाने के लिए कदम उठाएं। पेड़ों के साथ हमारा यह व्यवहार हमारे भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

स्पेशल स्कूल जोन बनाकर लगेगा सड़क हादसों पर ब्रेक बच्चों की बचेगी जान; CRRI और IRC ने तैयार किया मॉडल

देशभर में सड़क हादसों में जान गंवाने वाले छात्रों को बचाने के लिए CRRI और IRC ने एक मॉडल तैयार किया है। स्कूल के आसपास के स्पेशल जोन बनाया जाएगा। राज्यों के लिए सुरक्षित स्कूल जोन बनाने के दिशानिर्देश भी तैयार कर लिए गए हैं। स्कूलों के आसपास की सड़कों पर गति सीमा निर्धारित करने के साथ अलग रंगों में जेब्रा क्रॉसिंग बनाई जाएगी।

परिवहन विशेष न्यूज

नईदिल्ली । स्कूली बच्चों को सड़क दुर्घटनाओं से बचाने के लिए सबसे जरूरी है कि स्कूल के आसपास के बुनियादी ढांचा को उनके अनुसार ही तैयार किया जाए। स्कूलों को सुरक्षित जोन बनाने के लिए केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई) ने भारतीय रोड कांग्रेस (आईआरसी) और अन्य संस्थानों के साथ मिलकर एक मॉडल तैयार किया है।

इसके तहत प्रमुख मार्गों पर स्थित स्कूलों के आसपास अलग तरह के जेब्रा क्रॉसिंग, अधिकतम गति सीमा का निर्धारण के साथ साफ दिखने वाले सूचक की नई व्यवस्था तैयार की है। यह मॉडल केंद्र सरकार के निकाय आईआरसी सभी राज्यों के लिए अलग अलग भाषा में भी जारी करेगा। आने वाले समय में देश के सभी राज्य इस मॉडल के मुताबिक स्कूलों को सुरक्षित जोन बना सकेंगे।

इन वाहनों से बच्चे आते हैं स्कूल

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, देशभर में हर दिन लगभग 31 बच्चे सड़क दुर्घटनाओं में मरते हैं। सड़क दुर्घटनाओं में मरने वाले 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की संख्या सभी मौतों में 10 प्रतिशत से अधिक है। विद्यार्थी बसों, साझा वैन, साझा ऑटो, ई-रिक्शा, साइकिल, कारों द्वारा छोड़ने, मोटरसाइकिल और पैदल चलने सहित विभिन्न तरीकों का उपयोग करके स्कूल आते हैं।

परिवहन के सभी साधनों के लिए बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। इन सभी तरीकों के लिए सुरक्षा उपाय प्रदान करने वाले आईआरसीःएसपी 32 में कई दिशानिर्देश दिए गए हैं।

लाल और सफेद रंग के होंगे जेब्रा क्रॉसिंग

नए विकसित मॉडल के मुताबिक, स्कूल जोन के भीतर जेब्रा क्रॉसिंग के बारे में अधिक स्पष्ट संदेश के लिए सफेद और लाल रंग से चिह्नित किया जाना चाहिए। यह समान्य क्रॉसिंग से अधिक विस्तार के साथ होना चाहिए। ताकि वाहन चालकों को दूर से सुरक्षित जोन होने की जानकारी मिल जाए।

यहां आसपास के चौराहों पर भी इसी रंग के जेब्रा क्रॉसिंग बनाने होंगे। सामान्य जगहों पर जेब्रा क्रॉसिंग सफेद और काले रंग का होता है। इसके अलावा सड़क की सतह पर बड़े अक्षरों में 'स्कूल' शब्द लिखना वाहन चालकों को संदेश देने में सहायक हो सकता है।

स्कूल के प्रवेश द्वार से 100 मीटर तक स्कूल जोन

स्कूल जोन के लिए मुख्य सड़कों पर 25 व अंदरूनी सड़कों पर 20 किमी प्रति घंटे अधिकतम गति सीमा तय की गई है। ये गति सीमा स्कूल के सभी प्रवेश द्वार से दोनों तरफ 100 मीटर क्षेत्र में आने वाली सभी सड़कों के लिए होगी। इसी क्रम में अगर स्कूल के प्रवेश द्वार के 100 मीटर के दायरे में कोई चौराहा है तो स्कूल जोन का दायरा चौराहे से 30 मीटर आगे तक माना जाएगा।

अगर किसी स्कूल का प्रवेश द्वारा चौराहे पर है और उसे स्थानांतरित करने का कोई उपाय नहीं तो ऐसी स्थिति में चारौहे के सभी रास्ते पर 100 मीटर का क्षेत्र स्कूल जोन के तहत माना जाएगा। स्कूल जोन में आने से पहले गति को नियंत्रित करने के लिए ट्रांजिट जोन चिह्नित करने और हरतरफ गति सीमा सूचक लगाना होगा। इससे वाहन चालकों को पता चल जाएगा कि आगे किस गति से जाना है।

उचित जेब्रा क्रॉसिंग व ब्रेकर का निर्माण जरूरी

एनएचएआई, पीडब्ल्यूडी, नगर निगम सहित सड़क स्वामित्व एजेंसियों को सड़कों पर और विशेष रूप से स्कूल क्षेत्र क्षेत्र में सही ज्यामिति डिजाइन सुनिश्चित करना है। इसमें जेब्रा क्रॉसिंग के साथ ब्रेकर का निर्माण भी शामिल है। यातायात प्रबंधन एजेंसियों (यातायात पुलिस/सेल) को स्कूल खुलने/बंद होने के समय के दौरान सिग्नल, उचित जेब्रा क्रॉसिंग, सिग्नल बच्चों को लाने व ले जाने के लिए निर्दिष्ट स्थान सहित उचित प्रबंधन लागू करना है।

इसके अलावा, स्कूल प्रबंधन को स्कूल परिसर से सड़कों तक उचित निकास सुनिश्चित करना होगा, स्कूल बसों के लिए वाहन की स्थिति के साथ-साथ ड्राइवरों की फिटनेस से संबंधित नियमित जांच सुनिश्चित करनी होगी। यह तय करना होगा कि किसी भी प्रमुख सड़क पर स्थित स्कूल के सामने कोई कट न हो।

सभी हितधारकों के लिए समिति

आईआरसी ब्च्चों के लिए सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने के लिए सभी हितधारकों को शामिल करते हुए एक समिति बनाने की सिफारिश करती है। इसमें स्कूल प्रबंधन के अध्यक्षता में सड़क स्वामित्व रखने वाली एजेंसी, ट्रैफिक पुलिस, शिक्षा विभाग के अधिकारियों की समिति होगी, जो नियमित बैठक कर सुरक्षा का आंकलन करेगी।

यातायात प्रबंधन के दृष्टिकोण से दुर्घटनाओं के लिए गति मुख्य चिंता है, स्कूल क्षेत्र क्षेत्र के लिए अधिकतम गति 25 किमी प्रति घंटा होनी चाहिए। शिक्षा के उद्देश्य से जब हम बच्चों को यातायात नियमों का पालन करना सिखा रहे हैं, तो हमें कम से कम स्कूल क्षेत्र में सही इंजीनियरिंग और यातायात प्रबंधन प्रणाली सुनिश्चित करनी होगी। -मुक्ति आडवाणी, प्रधान विज्ञानी, परिवहन योजना एवं पर्यावरण प्रभाग, सीआरआरआई

वर्तमान में भारत में स्कूल व्यस्त शहरी सड़क से लेकर राष्ट्रीय राजमार्गों तक स्थित हैं। सावधानीपूर्वक इंजीनियरिंग और यातायात प्रबंधन हस्तक्षेप हमें सभी स्कूल जोन क्षेत्रों को सुरक्षित बनाने में मदद कर सकता है। आईआरसी एसपी 32 को आकार देने में सीआरआरआई की भागीदारी छात्रों के लिए स्कूल तक सुरक्षित आवागमन के लिए एक महत्वपूर्ण प्रयास है। यह दस्तावेज़ सड़क स्वामित्व एजेंसियों, यातायात प्रबंधन समूहों, गैर सरकारी संगठनों, स्कूलों और अभिभावकों से लेकर सभी हितधारकों के लिए है। हम इसे सभी क्षेत्रीय भाषाओं में प्रकाशित करने का प्रयास कर रहे हैं।

-प्रो. मनोरंजन परिड़ा, निदेशक, सीआरआरआई

हरतालिका तीज पर फ्लॉट करें यें फैंसी दुपट्टे, दिखेंगे आप स्टाइलिश

हरतालिका तीज आने ही वाली है। ऐसे में आप खुद को स्टाइलिश बनाने के लिए आप इन फैंसी दुपट्टे को जरुर ट्राई करें। दुपट्टा को स्टाइलिश लुक देने के लिए कलर कॉम्बिनेशन से लेकर डिजाइन तक चुनने के लिए आपको बॉडी टाइप का खासतौर से ध्यान रखना जरुरी होता है।

तीज-त्योहार पर स्टाइलिश दिखना हर किसी को पसंद होता है। व्रत-त्योहार के मौके पर हम ट्रेडिशनल लुक के कपड़ों को जरुर पहनते हैं। आजकल सबसे ज्यादा प्लेन और सिंपल डिजाइन के सलवार-सूट पहनना बेहद पसंद किया जा रहा है। सितंबर की शुरुआत में हरतालिका तीज आने वाली है। इसे मौके पर सूट के साथ में ज्यादातर वर्क वाले या फैंसी दुपट्टों को स्टाइल किया जाता है। आइए देखते हैं दुपट्टे के लेटेस्ट डिजाइंस और इन्हें कैसे स्टाइल करें।

लहरिया दुपट्टा डिजाइन

अगर आप लाइट वेट फैंसी दुपट्टा स्टाइल करना चाहती हैं तो इस तरह के लहरिया डिजाइन वाले दुपट्टे आपके लुक में चार चांद लगाने का काम करेंगे। आप चाहें तो घर में रखी पुरानी साड़ी की मदद से भी दुपट्टे को अपनी पसंद की लेंथ से कटवाकर इसमें गोटा-पट्टी वाली गोल्डन या कलरफुल लेस को लगवा सकती हैं। ऐसे आप अपनी पुरानी साड़ी को भी रीसायकाल कर पाएंगी और ज्यादा पैसे खर्च किए बिना लाइट वेट में फैंसी लुक पाएंगी।

मल्टी कलर दुपट्टा डिजाइन

अगर आप कुछ हटके ट्राई करना चाहते हैं तो आप मल्टी कलर में कढ़ाई वर्क वाले पाकिस्तानी स्टाइल दुपट्टे चलन में है। इसमें बात अगर डिजाइन की करें तो रंगकाट पैटर्न आजकल काफी ट्रेंड में है। पार्टी वियर लुक के लिए इसे आप सिल्क सूट के साथ में स्टाइल कर सकती हैं। आप चाहें तो इसमें अलग से सीक्वेन भी लगवा सकती हैं। अगर आप दुपट्टा को खूब फैंसी बनानी चाहती है तो लेस वर्क जैसे गोटा-पट्टी के कई डिजाइंस आपको देखने को मिलेंगे।

मिरर वर्क दुपट्टा डिजाइन

मिरर वर्क दुपट्टा दिखने में काफी खूबसूरत होते हैं। इसमें आपको कई तरह के डिजाइंस और कलर कॉम्बिनेशन भी मिल जाएंगे। पाकिस्तानी से लेकर फुलकारी दुपट्टे में आपको इसके हैवी कढ़ाई वाले डिजाइंस देखने को मिल जाएंगे। इसे स्टाइल कैसे करें तो आप किसी भी तरह का प्लेन सूट के साथ में पहन सकते हैं। इसके साथ में आप चांदबाली इयररिंग्स को पहन सकते हैं।

व्हाट्सएप पर मेटा एआई को जल्द ही नया 'वॉइस चैट' मोड मिल सकता है, जानिए यह कैसे काम करता है

व्हाट्सएप जल्द ही मेटा एआई के लिए वॉयस चैट मोड पेश कर सकता है, जिससे उपयोगकर्ता वॉयस कमांड का उपयोग करके वास्तविक समय में बातचीत कर सकेंगे। यह फीचर एंड्रॉयड के लिए व्हाट्सएप बीटा में देखा गया था और जल्द ही स्टेबल वर्जन में उपलब्ध हो सकता है।

मेटा एआई के पर्सनल मैसेजिंग ऐप में शामिल होने के बाद से वॉट्सऐप में कई बदलाव हुए हैं। WABetainfo की एक रिपोर्ट के अनुसार, अब मेटा एआई के नए अपडेट के साथ ऐप में और भी बदलाव हो सकते हैं, जो एआई चैटबॉट को वॉयस चैट मोड प्रदान कर सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार, वॉट्सऐप पर मेटा एआई को जल्द ही 'वॉइस चैट' मोड मिल सकता है, जिससे यूज़र चैटबॉट के साथ बेहतर तरीके से संवाद कर सकेंगे और अपनी बातचीत को निजीकृत कर सकेंगे। इस फीचर को सबसे पहले WABetainfo ने वॉट्सऐप बीटा फॉर एंड्रॉइड 2.24.18.18 अपडेट पर देखा था, जो गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है और जल्द ही यह ऐप के स्टेबल वर्जन में भी आ सकता है।

व्हाट्सएप पर मेटा एआई के साथ वास्तविक समय पर बातचीत

नया वॉयस चैट मोड उपयोगकर्ताओं को वॉयस कमांड का उपयोग करके मेटा एआई के साथ वास्तविक समय की बातचीत करने की अनुमति देगा। नए फीचर से मेटा एआई के साथ तेज़, अधिक स्वाभाविक और अधिक कुशल बातचीत होने की उम्मीद है, क्योंकि बोलना टाइप करने से तेज़ है। मेटा एआई कथित तौर पर उपयोगकर्ता के प्रश्नों का उत्तर एक चयनित आवाज़ में देने में सक्षम होगा, जिसे उपयोगकर्ता की प्राथमिकताओं के अनुसार बदला जा सकता है।

इसके अतिरिक्त, व्हाट्सएप चैट सूची में फ्लोटिंग एक्शन बटन दबाकर मेटा एआई के वॉयस चैट मोड को तुरंत लागू करने के लिए एक शॉर्टकट का परीक्षण कर रहा है।

व्हाट्सएप उपयोगकर्ता वॉयस चैट मोड को मैन्युअल रूप से सक्रिय करने में भी सक्षम होंगे, जो चैटबॉट को लगातार उनकी बातचीत सुनने और चैट छोड़ने या चैट मोड पर स्विच करके इसे रोकने की अनुमति देगा। उपयोगकर्ता आसानी से यह सत्यापित करने में सक्षम होंगे कि मेटा एआई का वॉयस चैट मोड बंद है, बस यह ध्यान देकर कि जब वे चैट छोड़ते हैं तो विज़ुअल इंडिकेटर उनकी स्क्रीन से गायब हो जाता है।

क्या आप भी दुनिया भर में मौजूद पिंक बीचेस पर घूमने गए हैं?

दिव्यांशी भदौरिया

दुनिया में ऐसी कई जगहें जहां आप पिंक बीचेस के नजारे को देख सकते हैं। आइए आपको बताते हैं दुनिया के ऐसे खास पिंक बीचेंस, जिनके बारे में शायद ही कोई जनता होगा। इन बीचेस पर मिलने वाली रेत गुलाबी रंग की होती है, जो हर एक बीच लवर को आकर्षित करती है।

जब छुट्टी होती हैं तो हम सभी कहीं न कहीं घूमने के लिए चल देते हैं। जिन लोगों को घूमने का शौक वो न हमेशा नई जगह की तलाश करते रहते हैं। अगर आपको बीच वेकेशन काफी पसंद है। बीच पर जाकर कई तरह के वाटर स्पोर्ट्स का मजा लेते और रेत का घर बनाने का एक अलग ही आनंद देता है। अगर आप हटके बीचेस तलाश कर रहे हैं तो आप पिंक बीचेस पर जरुर जाएं। इन बीचेस पर मिलने वाली रेत गुलाबी रंग की होती है, जो हर एक बीच लवर को आकर्षित करती है। इस लेख में हम आपको दुनियाभर में मौजूद पिंक बीचेस के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आपको भी एक बार जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

पिंक सैंड्स बीच, बहामास

बहामास के हार्बर आइलैंड पर मौजूद यह पिंक सैंड्स बीच काफी खूबसूरत है। इस बीच को मुख्य रुप से अपनी गुलाबी रंग की रेत के लिए जाना जाता है। रेत रंग इसलिए ऐसा है क्योंकि कुचले हुए कोरल, सीप और कैल्शियम कार्बोनेट के संयोजन से बना है। जब सूर्य की किरण पड़ती है इस रेत का पिंक रंग और भी ज्यादा चमकीला हो जाता है और फिरोजा रंग का पानी और भी खूबसूरत लगता है।

एलाफोनिसी बीच, ग्रीस

यह बीच ग्रीस के क्रेत में मौजूद है। एलाफोनिसी बीच को दुनिया के सबसे खूबसूरत समुद्र तटों में से एक के रुप में जाना जाता है। यह एलाफोनिसी बीच क्रेत के दक्षिण-पश्चिम तट पर स्थित है और यहां रंगीन सूक्ष्मजीवों और मूंगे के टुकड़ों द्वारा बनाई गई अपनी गुलाबी रेत के लिए प्रसिद्ध है।

स्पियागिया रोजा, इटलीइटली के सार्डिनिया में बुडेली द्वीप पर स्थित स्पियागिया रोजा को लोग पिंक बीच ते नाम से जानते हैं। बता दें कि यह बीच स्विमिंग और और स्नॉर्कलिंग के लिए पॉपुलर है। लेकिन, यहां पर रेत की चोरी के इतिहास के कारण अब किनारे पर जाना प्रतिबंधित है। आप नाव किराए पर लेकर दूर से इस नजारे का आनंद ले सकते हैं।

पंताई मेराह, इंडोनेशिया

यह पिंक बीच इंडोनेशिया में कोमोडो द्वीप को दुनिया की सबसे बड़ी छिपकली अर्थात्कोमोडो ड्रैगन का घर माना जाता है। हालांकि, कोमोडो द्वीप पर शानदार गुलाबी रेत वाला बीच पंताई मेराह भी है। रेत का यह विशाल विस्तार गुलाबी रंग की ढाल दिखाता है, जो सूक्ष्म गुलाबी रंग के समुद्री जानवरों से भरी सफेद और रेत का मिश्रण है। बता दें कि, कोमोडो द्वीप पर कोई होटल नहीं है, इसलिए अधिकांश यात्री पास के फ्लोरेस द्वीप पर लाबुआन बाजो शहर में रहने का ठिकाना बनाते हैं।

सेब से लेकर अनानास तक, इन फलों की मदद से बनाएं चटनी

मिताली जैन

फलों की चटनी की खास बात यह है कि इसमें वैरायटी की कमी नहीं है। आप कई तरह के फलों जैसे सेब, अनानास, आम आदि की मदद से चटनी बनाकर तैयार कर सकते हैं और उसे अपने खाने का हिस्सा बना सकते हैं।

खाने के साथ अगर चटनी मिल जाए तो यकीनन खाने का स्वाद कई गुना बढ़ जाता है। अमूमन हम सभी कई तरह के हर्ब्स या सब्जियों की मदद से चटनी बनाना पसंद करते हैं। हालांकि, अगर आप अपने टेस्ट बड को एक नया टेस्ट देना चाहते हैं तो अब आप सब्जियों या हर्ब्स की जगह फलों का इस्तेमाल करें। आपने शायद अभी तक फ्रूट चटनी को ट्राई ना किया हो, लेकिन इसका स्वाद बेमिसाल होता है। फलों के मीठेपन और टैंगीनेस के साथ-साथ हल्का तीखापन एक परफेक्ट बैलेंस देता है।

फलों की चटनी की खास बात यह है कि इसमें वैरायटी की कमी नहीं है। आप कई तरह के फलों जैसे सेब, अनानास, आम आदि की मदद से चटनी बनाकर तैयार कर सकते हैं और उसे अपने खाने का हिस्सा बना सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको अलग-अलग तरह की फ्रूट चटनी बनाने की विधि के बारे में बता रहे हैं-

सेब की चटनी

सेब की चटनी को सेब, प्याज, किशमिश, ब्राउन शुगर, सिरका, दालचीनी, लौंग और नमक की मदद से तैयार किया जाता है। चटनी बनाने के लिए सबसे पहले सेब और प्याज को छीलकर काट लें। अब एक पैन में चीनी, सिरका और मसाले मिलाएं। अब इसमें सेब, प्याज और किशमिश डालें। मिश्रण के गाढ़ा होने और सेब के नरम होने तक पकाएं। स्टोर करने से पहले ठंडा करें।

अनानास की चटनी

अनानास की चटनी का स्वाद लाजवाब होता है। इसे खाते समय आपको मीठेपन के साथ-साथ हल्के तीखेपन का भी अहसास होगा। अनानास की चटनी बनाने के लिए आपको अनानास, चीनी, सिरका, अदरक, मिर्च, सरसों के बीज और नमक चाहिए। सबसे पहले अनानास को काट लें। एक पैन में अनानास को चीनी और सिरके के साथ पकाएं। अदरक, मिर्च और सरसों के बीज डालें। मिश्रण के गाढ़ा होने तक पकाएं। परोसने से पहले इसे ठंडा होने दें।

आम की चटनी

आम की चटनी का स्वाद मीठा, तीखा और थोड़ा मसालेदार होता है। आप चटनी को पके आम, चीनी, सिरका, अदरक, लहसुन, चिली फ्लेक्स, सरसों के बीज और नमक की मदद से बना सकते हैं। चटनी बनाने के लिए पहले आमों को छीलकर काट लें। एक बर्तन में चीनी और सिरका मिलाएं, फिर आम, अदरक, लहसुन और मसाले डालें। तब तक उबालें जब तक आम नरम न हो जाएं और मिश्रण गाढ़ा न हो जाए। परोसने से पहले इसे ठंडा होने दें।

Ola की AI चिप 2026 में होगी लॉन्च, स्कूटरों की अपनी रेंज में इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल जोड़ेगी

ओला एलेक्ट्रिक रोडस्टार लाइनअप में तीन मॉडल- Roadster, Roadster Pro और Roadster X शामिल हैं। कंपनी का कहना है कि इन मॉडल्स को अगले साल उपलब्ध कराया जाएगा। लॉन्च के मौके पर के मीडिया पब्लिकेशन को दिए बयान में ओला के सीईओ और को फाउंडर ने कहा कि Ola El

नई दिल्ली। ओला एलेक्ट्रिक ने 15 अगस्त को भारत में अपनी पहली इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल को लॉन्च किया है। ओला एलेक्ट्रिक रोडस्टार लाइनअप में तीन मॉडल- Roadster, Roadster Pro और Roadster X शामिल हैं। कंपनी का कहना है कि इन मॉडल्स को अगले साल उपलब्ध कराया जाएगा। लॉन्च के मौके पर के मीडिया पब्लिकेशन को दिए बयान में ओला के सीईओ और को फाउंडर ने कहा कि Ola Electric आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भारत के लिए बहुत अहमियत रखता है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में टेक्नोलॉजी कंट्रोल करने के लिए देश को अपनी शर्तों पर भविष्य सवारने की जरूरत है।

वहीं भाविष अग्रवाल ने ओला एलेक्ट्रिक रोडस्टार लाइनअप के लॉन्च के बाद टाइम्स ऑफ इंडिया से एआई की भारत में अहमियत को लेकर बातचीत की। अग्रवाल ने बताया कि देश को टेक्नोलॉजी को कंट्रोल करने के लिए आर्टिफिशियल टेक्नोलॉजी की ओर अग्रसर होना पड़ेगा। उन्होंने ये भी इशारा दिया कि अगर ऐसा नहीं होता है तो विदेशी कंपनियों भारतीय टेलेंट का फायदा उठाते रहेंगी।

बता दें कि, इस साल की शुरुआत में एआई को सार्वजनिक बीटा के हिस्से के रूप में यूजर्स के लिए उपलब्ध कराया गया था। ये यूजर्स को लेटेस्ट AI पावर्ड चैटबॉट को आजमाने का मौका देता है। अन्य जेनरेटिव एआई-आधारित चैटबॉट्स की तरह, ये प्रश्नों का उत्तर दे सकता है।

पहली बार आप भी भगवान गणेश की मूर्ति स्थापित कर रहे हैं तो इन उपायों का पालन करें

परिवहन विशेष न्यूज

गणेश चतुर्थी 7 सितंबर 2024 से शुरू होगी और मूर्तियों का विसर्जन 17 सितंबर को होगा। जैसे-जैसे त्योहार नजदीक आ रहा है, कई भक्त, खासकर जो पहली बार उत्सव मना रहे हैं, वे अपने घरों में गणेश प्रतिमा स्थापित करने पर विचार कर सकते हैं।भगवान गणेश की मूर्ति पहली बार स्थापित करते समय भक्तों को जिन महत्वपूर्ण अनुष्ठानों का पालन करना चाहिए।

नई दिल्ली। गणेश चतुर्थी जिसे विनायक चतुर्थी के नाम से भी जाना जाता है। भारत के सबसे जीवंत और प्रिय त्योहारों में से एक है गणेश चतुर्थी जिसे विशेष रूप से महाराष्ट्र में बहुत उत्साह के साथ मनाया जाता है। भगवान गणेश के जन्म का सम्मान करने वाला यह त्योहार आमतौर पर अगस्त या सितंबर में पड़ता है। इस उत्सव में घरों और सार्वजनिक स्थानों पर गणेश की मूर्तियों की स्थापना की जाती है, उसके बाद अनुष्ठान, भक्ति गीत गाए जाते हैं और मूर्तियों को पानी में विसर्जित कर दिया जाता है।

गणेश चतुर्थी 7 सितंबर 2024 से शुरू होगी और मूर्तियों का विसर्जन 17 सितंबर को होगा। जैसे-जैसे त्योहार नजदीक आ रहा है, कई भक्त, खासकर जो पहली बार उत्सव मना रहे हैं, वे अपने घरों में गणेश प्रतिमा स्थापित करने पर विचार कर सकते हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि अनुष्ठान सही तरीके से किए जाएं, इसके लिए कुछ महत्वपूर्ण दिशानिर्देश आप जरुर जानें।

गणेश की मूर्ति चुनना

भगवान गणेश की मूर्ति चुनते समय, ऐसी मूर्ति चुनना बहुत शुभ माना जाता है जिसमें देवता की सूंड बाईं ओर झुकी हुई हो। बैठी हुई गणेश की मूर्ति भी अनुशंसित है क्योंकि यह सुख और समृद्धि का प्रतीक है। इसके अतिरिक्त, मूर्ति में आदर्श रूप से गणेश के एक हाथ में आशीर्वाद की मुद्रा और दूसरे में मोदक पकड़े हुए होना चाहिए, जो देवता की पसंदीदा मिठाई है।

स्थापना की दिशा

गणेश जी की मूर्ति को अपने घर के उत्तर-पूर्व दिशा में स्थापित करना महत्वपूर्ण है, जहां मूर्ति का मुख उत्तर दिशा की ओर हो। सबसे पहले एक साफ मंच चुनें, उसे कपड़े से ढंक दें और फिर उस पर मूर्ति स्थापित करें। ऐसा माना जाता है कि इस स्थिति से घर में सकारात्मक ऊर्जा और आशीर्वाद आता है।

पूजा विधि

मूर्ति स्थापित करने के बाद शुद्धि अनुष्ठान के तहत भगवान पर शुद्ध गंगाजल (पवित्र जल) और चावल छिड़कें। मूर्ति के साथ समृद्धि और आध्यात्मिक शक्ति के प्रतीक ऋद्धि और सिद्धि को रखना भी आवश्यक है। मूर्ति के दाईं ओर जल से भरा बर्तन रखना चाहिए। इन तैयारियों के बाद भगवान गणेश को फूल, फल और मिठाई, खासकर मोदक चढ़ाएं। मंत्रों का जाप करें और आरती के साथ पूजा पूरी करें, जो भगवान के सामने जलते हुए दीपक लहराने की एक रस्म है।

गणेश चतुर्थी के दौरान इन निर्देशों का पालन करके भक्त अपने जीवन में भगवान गणेश का आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं, जिससे सुख, समृद्धि और शांति आएगी।

कृष्णापुरम महल एवं संग्रहालय, अलाप्पुझा

अलाप्पुझा के समीप कायमकुलम स्थित कृष्णापुरम महल मालाबार क्षेत्र की अद्वितीय स्थापत्यकला एवं पाथिनरकेट्टू वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण है।

इस महल का निर्माण त्रावणकोर के राजा मार्तंड वर्मा ने 1746 के ओदानाद-त्रावणकोर युद्ध के पश्चात किया था. प्रारंभ में, एक ही तल का एक छोटा सा महल, जिसे स्थानीय रूप से एट्टुकेट्टू के नाम से जाना जाता था, का निर्माण किया गया था।

मूल रूप से 56 एकड़ में फैले इस परिसर में स्थित यह महल पद्मनाभपुरम पैलेस की एक लघु प्रतिकृति है, जो त्रावणकोर राजाओं का मुख्यालय था।

महल परिसर अब एक पुरातात्विक संग्रहालय के रूप में स्थापित है. यहां प्राचीन चित्रों और शिलालेखों, सिक्कों, महापाषाण अवशेषों, लकड़ी, पीतल और पत्थर से बनी कलाकृतियों का विशेष संग्रह है।

दिल्ली में पार्षद का अपहरण! आप ने भाजपा पर लगाया किडनैपिंग का आरोप, पलटवार में BJP ने बताया सर्कस

दिल्ली में आम आदमी पार्टी के पार्षद रामचंद्र ने भाजपा पर उनका अपहरण करने का आरोप लगाया है। साथ ही उन्हें ईडी-सीबीआई द्वारा फंसाने की धमकी दी है। इसके बाद आप नेता भाजपा पर हमलावर हो गए। वहीं दिल्ली भाजपा ने इस पूरे घटनाक्रम को सर्कस बताया। रामचंद्र हाल ही में AAP को छोड़ भाजपा में शामिल हुए थे इसके बाद फिर से पार्टी में लौट आए।

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम की स्थाई समिति से पहले डेढ़ साल बाद आगामी चार सितंबर को होने जा रहे स्थाई समिति के सदस्यों के चुनाव से पहले दिल्ली में राजनीतिक बवाल मचा हुआ है। आप के पार्षद रामचंद्र ने कुछ दिन पहले भाजपा ज्वाइन कर ली थी वह फिर से आप में लौट आए हैं। इसके बाद रविवार को उनके बेटे ने रामचंद्र के अपहरण कर लिए जाने का भाजपा नेताओं पर आरोप लगाया।

इसके बाद आप के वरिष्ठ नेता सक्रिय हुए और उन्होंने भाजपा पर आरोपों की झड़ी लगा दी। हालांकि बाद में अपहृत सदस्य अपने आवास पर लौट आए। वापस लौटने पर रामचंद्र ने दावा किया कि उन्हें विपक्षी संगठन द्वारा ईडी-सीबीआई मामलों में फंसाए जाने के बहाने धमकी दी गई थी।

भाजपा का भी आया बयान

रामचंद्र के आरोपों पर दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने बताया, उन्होंने कहा है कि कुछ लोग आए थे, लेकिन उन्हें नाम नहीं पता। वे उन्हें किस कार्यालय में ले गए, यह नहीं पता। उन्हें यह भी नहीं पता कि उन्हें वापस कौन छोड़कर गया। वह यह भी कह रहे हैं कि उन्होंने 100 नंबर पर कॉल किया, पुलिस आई और उन्हें छुड़वाया। पुलिस उन्हें छुड़वाने कहां गई? आप नेता सुबह से ही सर्कस चला रहे हैं।

दिल्ली में सीसीटीवी का मजबूत नेटवर्क है। मैं दिल्ली पुलिस से मांग करता हूं कि रामचंद्र से पूछताछ की जाए कि वह किसके कहने पर यह कहानी गढ़ रहे हैं। उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

"मैं बवाना Ward 28 से निगम पार्षद हूँ, सुबह मेरे घर 5-6 लोग आये और मुझे एक गाड़ी में बिठाकर BJP कार्यालय ले गये। आम आदमी पार्टी के दबाव बनाने के बाद मुझे छोड़ा गया।

भाजपा में जाने के बाद आप में लौटे

रामचंद्र वार्ड नंबर-28 से पार्षद हैं, वह उन पांच सदस्यों में से एक थे जो पिछले 25 अगस्त को भाजपा में शामिल हुए थे। हालांकि इसके दो दिन बाद उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को उन्होंने सपने में देखा और उनका हृदय परिवर्तन हो गया और वह आप में लौट आए।

रामचंद्र ने क्या लगाया आरोप

लौटने के बाद उन्होने दावा किया कि उन्हें कुछ लोग भाजपा मुख्यालय ले गए थे। वहां उन लोगों ने उन्हें यह कहते हुए धमकी दी कि उन्हें ईडी और सीबीआई द्वारा फंसाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मेरे बेटे आकाश ने पुलिस हेल्पलाइन को फोन किया, जबकि हमारी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने पुलिस आयुक्त को फोन किया। जब भाजपा को इसके बारे में पता चला तो उन्होंने मुझे घर वापस भेज दिया।

आप द्वारा साझा किए गए वीडियो में उन्होंने कहा कि मैं भाजपा को बताना चाहता हूं कि मैं ईडी और सीबीआई से नहीं डरता। मैंने कुछ भी गलत नहीं किया है। मैं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का सिपाही हूं।

आप सांसद ने साझा किया वीडियो

बता दें कि रविवार को आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने रामचंद्र के बेटे आकाश का एक वीडियो एक्स पर साझा किया था और आरोप लगाया कि उनके पिता का अपहरण कर लिया गया है। वीडियो में आकाश ने कहा कि मेरे पिता को भाजपा के एक पूर्व पार्षद का फोन आया और उन्होंने कहा कि हम आपसे मिलने के लिए आपके घर के पास नीचे खड़े हैं।

वे चार-पांच लोग थे, जिन्होंने मेरे पिता को ईडी-सीबीआई द्वारा फंसाने की धमकी दी। सिंह की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने आकाश द्वारा लगाए गए आरोपों को दोहराया।

आप विधायक ने भी उठाए सवाल

एक्स पर पोस्ट में आप विधायक और एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने भाजपा पर दिल्ली में कानून और व्यवस्था का मजाक बनाने का आरोप लगाया।उन्होंने कहा कि हम पूरी भारतीय जनता पार्टी को यह चेतावनी दी कि अगर अगले एक से डेढ़ घंटे में रामचंद्र को वापस उनके घर नहीं लाया गया तो हम इतना हंगामा मचाएंगे कि पूरी भाजपा बर्बाद हो जाएगी। इसके बाद आम आदमी पार्टी द्वारा आयोजित पत्रकार वार्ता में भी आप नेता दिलीप पांडेय और कुलदीप कुमार ने भी भाजपा पर आप पार्षद रामचंद्र का अपहरण कर लेने का आरोप लगाया।

ये है भाजपा का राजनीति मॉडल, वे इसी तरह देश की सेवा करना चाहते हैं: डॉ. संदीप पाठक

सुषमा रानी

नई दिल्ली, दिल्ली नगर निगम की वार्ड समितियों का चुनाव जीतने के लिए रविवार को भाजपा एक बार फिर अपनी गंदी राजनीति पर उतर आई। भाजपा के कुछ गुंडों ने वार्ड 28 से ''आप'' पार्षद रामचंद्र को अपनी गाड़ी में जबरदस्ती अपहरण कर लिया। रामचंद्र के बेटे आकाश ने एक वीडियो जारी कर यह जानकारी ''आप'' के वरिष्ठ नेताओं को दी। इसके बाद आम आदमी पार्टी हरकत में आ गई। पार्टी ने उस वीडियो को एक्स पर पोस्ट कर दिल्ली की कानून-व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न खड़ा किया और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना और पुलिस कमिश्नर से पूछा कि दिल्ली में यह क्या हो रहा है? आकाश ने 100 नंबर पर कॉल कर पूरे घटना की जानकारी दिल्ली पुलिस को दी और ''आप'' के कई वरिष्ठ नेताओं ने पुलिस कमिश्नर से फोन पर बात कर पार्षद रामचंद्र को जल्द से जल्द भाजपा के चंगुल से मुक्त कराने की मांग की। चारों तरफ से भारी दबाव पड़ने के बाद भाजपा के लोगों ने रामचंद्र को किसी के माध्यम से उनके घर छोड़ दिया।

''आप'' के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने रामचंद्र के बेटे आकाश की वीडियो को एक्स पर रीट्वीट कर कहा कि यें चल क्या रहा है? बवाना से पूर्व विधायक और वर्तमान पार्षद रामचंद्र के बेटे का यह वीडियो ज़रूर देखिए। बीजेपी ने पार्षद रामचंद्र को ईडी-सीबीआई की धमकियां दीं। जब वे नहीं डरे तो बीजेपी के गुंडे उनको गाड़ी में उठाकर ले गए हैं। ''आप'' के राष्ट्रीय महासचिव संगठन डॉ. संदीप पाठक ने कहा कि ये है भाजपा का राजनीति मॉडल। वे इसी तरह देश की सेवा करना चाहते हैं। वहीं, सांसद संजय सिंह ने वीडियो को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, दिल्ली के एलजी और पुलिस कमिशन को टैग करते हुए एक्स पर कहा कि देश की राजधानी में भाजपा की खुलेआम गुंडागर्दी, पार्षद रामचंद्र को धमका कर उनका अपरहण कर लिया गया है। उनको ईडी-सीबीआई लगाकर बदनाम करने की धमकी दी गई है। उनके बेटे आकाश को सुनिए। दिल्ली में ये क्या हो रहा है।

उधर, ''आप'' के वरिष्ठ नेता एवं एमसीडी के प्रभारी दुर्गेश पाठक ने रामचंद्र के बेटे की वीडियो को रीट्वीट कर कहा कि यह पूरी तरह गुंडागर्दी है। भाजपा आम आदमी पार्टी के पार्षद रामचंद्र को उनके घर से ज़बरदस्ती उठाकर लेकर जा रही है, उनका अपहरण कर रही है। दिल्ली में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त है। दिल्ली में कानून व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह से ख़राब है।

दुर्गेश पाठक ने कहा कि हम फिल्मों में देखा करते थे कि किस तरह से सांसद, विधायक और पार्षदों को उठा-उठा कर लेकर जाया जाता था और उनसे जबरदस्ती वोटिंग कराई जाती थी। 90 के दशक में हमने फिल्मों में दखा था कि किस तरह से बूथ कैप्टरिंग होती है। मतदाता को वोट नहीं डालने दिया जाता है। भाजपा आज यह काम दिल्ली के अंदर कर रही है। बवाना से आम आदमी पार्टी के पार्षद रामचंद्र को रविवार की सुबह भाजपा का पूर्व पार्षद नारायण अपने गुंडों के साथ उनके घर से जबरदस्ती उठाकर ले गए। क्या भाजपा दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर दिल्ली में गुंडागर्दी कर रही है? दिल्ली में कानून व्यवस्था संभालने की जिम्मेदारी एलजी साहब की है। क्या वो दिल्ली के अंदर गुंडागर्दी कर रहे हैं? हम ये होने नहीं देंगे।

वहीं, भाजपा के गुंडों के चंगुल से मुक्त होने के बाद ''आप'' पार्षद रामचंद्र ने कहा कि आज सुबह मेरे घर पर 5-6 लोग आए और उन्होंने मुझे बुलाकर अपनी गाड़ी में बैठा लिया। इसके बाद वो लोग मुझे लेकर भाजपा के कार्यालय पहुंचे। वहां पर उन्होंने कहा कि अगर आप इस तरह से करोगे तो ठीक नहीं होगा। ईडी-सीबीआई को तो जानते हो न? इस तरह से उन्होंने मुझे धमकी दी और कहा कि यह आपके लिए ठीक नहीं होगा, आपके साथ बहुत गलत हो जाएगा। मेरे बेटे ने जैसे ही 100 नंबर पर कॉल किया, तो पुलिस आ गई और हमारी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने भी पुलिस कमिश्नर को फोन किया। इसके बाद उन लोगों ने किसी के जरिए मुझे मेरे घर पर छुड़वा दिया। मैं कोई गलग काम नहीं करता हूं। इसलिए ईडी और सीबीआई से नहीं डरता हूं। मैं अरविंद केजरीवाल का एक सच्चा और ईमानदार सिपाही हूं। ये लोग चाहे जितना मुझे धमकी दें, लेकिन मैं ईडी-सीबीआई से नहीं डरने वाला हूं।

''आप'' पार्षद रामचंद्र के बेटे आकाश ने लिखित शिकायत में कहा है कि मेरा नाम आकाश है और मैं रामचन्द्र का बेटा हूं। आज 1 सितम्बर 2024 को कुछ समय पहले मेरे पिताजी के पास नारायन सिंह का फोन आया। बवाना के पूर्व पार्षद नारायण सिंह ने फोन पर कहा कि मैं आपके घर के नीचे खड़ा हूं रामचन्द्र जी एक बार मिलना है। मेरे पिताजी उनसे मिलने गए। नारायण सिंह के साथ 3-4 लोग और थे। उन्होंने घर के नीचे मेरे पापा को डराया-धमकाया कि अगर आपने आज भाजपा ज्वाइन नहीं की तो आपको झूठे केस में ईडी-सीबीआई के द्वारा फंसा देंगे। मेरे पिता रामचंद्र ने काल पर मुझे यह सब कुछ बताया। अब उनका फोन बन्द है।

प्रदूषण दिल्ली सरकार की नाकामी को उजागर करता है: देवेन्द्र यादव

सुषमा रानी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि केजरीवाल सरकार के मंत्री गोपाल राय प्रदूषण नियंत्रण का विंटर एक्शन प्लान पुरानी खोखली और बेबुनियाद आधारशिला पर तैयार करने की योजना है जिसे दिल्ली सरकार पिछले 10 वर्षों से दोहरा रही है। दिल्ली में प्रदूषण के लिए केन्द्र की भाजपा सरकार और केजरीवाल सरकार दोनो बराबर की जिम्मेदार है। भाजपा नेता केन्द्र सरकार के पर्यावरण मंत्री को दिल्ली के खतरनाक प्रदूषण को काबू पाने के लिए कार्ययोजना को लागू करने के लिए क्यों नही कहते?

यादव ने कहा कि यदि गोपाल राय की यह मंशा हैं कि राजधानी में प्रदूषण का मसला सबके सहयोग और मिलकर निपटेगा, तो प्रदूषण सहित जल भराव, दिल्ली की सड़कों की हालत, नालों की बदहाल स्थिति, भयंकर जल संकट, महिलाओं पर अत्याचार, बिजली बिलों में बेलगाम बढ़ोत्तरी जैसे जनता से जुड़े मामलों पर संबधित मंत्रियों से मश्वरा करके तुरंत सर्वदलीय बैठक बुलाए, कांग्रेस पार्टी 15 वर्ष के दिल्ली में किए चहुंमुखी विकास के अनुभव अनुसार हर विषय का हल निकालने के लिए तैयार है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता के स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए खतरनाक प्रदूषण नियंत्रण के लिए आवाज सिर्फ कांग्रेस पार्टी ही उठा रही है। उन्होंने गोपाल राय पर कटाक्ष करते हुए कहा कि क्यों जनता के टैक्स का हजारों करोड़ खर्च होने के बाद भी दिल्ली सरकार दिल्ली वालों को स्वच्छ हवा नही दे पा रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली से होने वाले प्रदूषण को 31 प्रतिशत बताकर गोपाल राय दिल्ली की जनता को गुमराह क्यों कर रहे है? जबकि पिछले वर्ष दिसम्बर में डब्लूएचओ ने एक रिपोर्ट में कहा है कि दिल्ली के खतरनाक प्रदूषण में वाहनों से 10-30 प्रतिशत, सड़क व निर्माण से निकले धूल कण से 10-30 प्रतिशत, औद्योगिक इकाईयों से 10-30 प्रतिशत, खुले में कचरा जलाने से 5-15 प्रतिशत, नजदीकी शहरों में पावर प्लांट से 7 प्रतिशत से कम, मौसमी धूल कण जो नजदीकी राज्यों से आते है 5 प्रतिशत से कम, नजदीकी राज्यों से खेती वेस्ट व पराली जलाने से 3 प्रतिशत से कम कम प्रदूषण होता है।

उन्होंने कहा कि नजदीकी राज्यों से होने वाले प्रदूषण में पंजाब का नाम न लेकर गोपाल राय ने प्रदूषण नियंत्रण में अपनी नाकामी को स्वीकार लिया है क्योंकि जब पंजाब में कांग्रेस की सरकार थी तब केजरीवाल चींख-चींख कर पंजाब में पराली जलाने को दिल्ली में प्रदूषण का कारण बताते थे, क्या आम आदमी पार्टी के सत्ता में आने के बाद पंजाब में खेती होना बंद हो गई या पराली जलाना बंद कर दिया है, गोपाल राय दिल्ली की जनता को जवाब दें? उन्होंने कहा कि गोपाल राय अपने नेता अरविंद केजरीवाल से एक कदम पीछे नही है, अभी दो दिन पहले उन्होंने प्रदूषण रोकथाम के लिए कृत्रिम बारिश को विंटर एक्शन प्लान के 14 सूत्रो में एक एक घोषित किया था परंतु एकदम से आज यह कहना कि समय बहुत कम है, का क्या अर्थ है? नवंबर-दिसम्बर में पूरे 3 महीने का समय है, क्या विधानसभा चुनाव में अपनी हार को स्वीकार करके गोपाल राय प्रदूषण नियंत्रण के विषय को अगली सरकार के पाले में डाल रहे है।

''आपका विधायक-आपके द्वार'' कैंपेन के तहत एक महीने में 2800 मंडलों में बैठकें पूरी की जाएंगी- दिलीप पांडे

सुषमा रानी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव की तैयारियों को और गति देते हुए रविवार को ''आपका विधायक-आपके द्वार'' कैंपेन की शुरूआत कर दी। कैंपेन का उद्देश्य दिल्ली की जनता से सीधा संवाद कर सीएम अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में ''आप'' की सरकार द्वारा पिछले पांच वर्षों में किए गए कामों को उन तक पहुंचाना है। इस संबंध में ''आप'' के वरिष्ठ नेता दिलीप पांडे ने कहा कि कैंपेन के तहत पहले दिन शालीमार बाग, बवाना, पालम, महरौली, सुल्तानपुरी, ब्रिजवास, कोंडली, विकासपुरी, मादीपुर, तिमारपुर, तिमारपुर मंडल में हुआ बैठकें हुई। जहां ''आप'' के विधायक हैं, वहां पर उनके नेतृत्व में बैठकें हो रही हैं, जबकि जहां हमारे विधायक नहीं हैं, वहां संगठन के कार्यकर्ता ''आपकी सरकार-आपके द्वार'' बैनर तले बैठकें कर करेंगे। हमारा लक्ष्य है कि अगले एक महीने में सभी 2800 मंडलों में बैठकें पूरी कर ली जाएं। इस दौरान पार्टी के दिल्ली प्रदेश उपाध्यक्ष कुलदीप कुमार ने कहा कि कैंपेन के दौरान हम पिछले 5 वर्षों में कार्यों का लेखा-जोखा जनता के सामने पेश करेंगे।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और विधायक दिलीप पांडे और कुलदीप कुमार ने रविवार को पार्टी मुख्यालय पर संयुक्त प्रेस वार्ता कर ''आपका विधायक आपके द्वार'' अभियान के बारे में जानकारी साझा की। दिलीप पांडे ने कहा कि आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों के मद्देनजर आम आदमी पार्टी ने अपने संगठन को तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके तहत पार्टी के शीर्ष से लेकर निचले स्तर तक के पूरे संगठन का पदाधिकारियों द्वारा पुनर्मूल्यांकन किया जा रहा है। इस क्रम में, अब तक दिल्ली की 70 में से 65 विधानसभाओं में कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया जा चुका है। प्रत्येक बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष, संगठन मंत्री, जिलाध्यक्ष और जिला सचिव समेत तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे। लगभग हर कार्यकर्ता सम्मेलन में करीब 200 से 400 कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इसके अलावा आगामी दिनों में विधानसभाओं के प्रत्येक वॉर्ड के मंडल के प्रभारी और अध्यक्ष बूथवार बैठक भी की जाएंगी।

दिलीप पांडे ने कहा कि दिल्ली के लगभग 13 हजार से अधिक बूथों पर बैठकें करके, आम आदमी पार्टी चुनाव से काफी पहले ही विधानसभा, वार्ड, और मंडल के बाद बूथ स्तर तक का ढांचा तैयार कर लेगी। सब कुछ पुनर्नियोजित कर लिया जाएगा। आम आदमी पार्टी आज से दिल्ली के लगभग 2800 मंडलों में ''आपका विधायक, आपके द्वार'' अभियान की शुरुआत कर रही है। आम आदमी पार्टी में 'मंडल' उन मतदान केंद्रों या उन स्कूलों को कहा जाता है, जहां वोट डाले जाते हैं। इसके तहत 8 से 10 बूथ आते हैं। हमारे चुनावी अभियान का यह बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसके तहत जहां हमारे विधायक हैं और जहां हमारे विधायक नहीं हैं, वहां भी प्रत्येक मंडल पर पार्टी द्वारा यह बैठक आयोजित की जाएंगी। इस अभियान के तहत, जहां आम आदमी पार्टी के विधायक हैं, उन मंडलों में ''आपका विधायक, आपके द्वार'' अभियान चलाया जाएगा। जबकि जहां हमारे विधायक नहीं हैं, वहाँ पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा ''आपकी सरकार-आपके द्वार'' के बैनर तले बैठकें आयोजित की जाएंगी। सभी मंडलों में इन बैठकों की प्रक्रिया आज से शुरू हो रही है और अगले 25 से 30 दिनों के अंदर हर मंडल में यह बैठक पूरी कर ली जाएगी।

दिलीप पांडे ने कहा कि आज से इस अभियान की शुरुआत शालीमार बाग, बवाना, पालम, महरौली, सुल्तानपुर, बिजवासन, कोंडली, विकासपुरी, मादीपुर, और तिमारपुर विधानसभा क्षेत्रों में की जा रही है। कुछ विधानसभाओं में एक या एक से अधिक स्थानों पर भी यह अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि आम आदमी पार्टी ने यह अभियान इसलिए शुरू किया है क्योंकि जब पिछले लोकसभा चुनावों के दौरान दिल्ली की जनता से सीधा संवाद किया गया, तो यह उन क्षेत्रों में अधिक प्रभावी रहा जहां आम आदमी पार्टी ने चुनाव लड़ा था। इसलिए, संवादहीनता को समाप्त करने के लिए इस अभियान को युद्ध स्तर पर शुरू किया गया है, जिसे हम इस महीने के अंत तक पूरा कर लेंगे।

आम आदमी पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष कुलदीप कुमार ने कहा कि ''आपका विधायक आपके द्वार'' अभियान के माध्यम से हम जनता के बीच जाकर उनसे सीधा संपर्क करेंगे और उनकी समस्याएं सुनेंगे। हम विभिन्न विधानसभाओं में अपने पिछले 5 वर्षों के कार्यों का लेखा-जोखा जनता के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। हम दिल्ली की जनता को बताएंगे कि हमने पिछले 5 वर्षों में उनके लिए क्या-क्या किया है। दिल्ली के लोग जानते हैं कि जब से अरविंद केजरीवाल की सरकार आई है, तब से दिल्ली लगातार विकास की दिशा में आगे बढ़ रही है। चाहे वह 24 घंटे मुफ्त बिजली, पानी की सुविधा, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, बुजुर्गों की तीर्थ यात्रा, सड़कों का विकास हो या सीवर की व्यवस्था हो, हमारी सरकार निरंतर जनता के बीच जाकर काम कर रही है। इस मुहिम में ''आपका विधायक आपके द्वार'' अभियान एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

नारद मुनि बनेगें – लीजेंड एक्टर हेमन्त पाण्डे, रामलीला मंचन 3 से 13 अक्तूबर 2024

सुषमा रानी

नई दिल्ली : ऐतिहासिक लाल किला ग्राउण्ड में आयोजित देश विदेश में ख्याति प्राप्त लव कुश रामलीला कमेटी की प्रेस वार्ता में लीला कमेटी अध्यक्ष अर्जुन कुमार ने कास्टीट्यूशन क्लब में मीडिया को सम्बोधित करते हुए बताया पहली बार लीला मंच पर फिल्मी दुनिया के खलनायक, अभिनेता फिल्म इण्डस्ट्री में अपनी विशेष पहचान बनाएं निभाई बाली महाबली रावण का किरदार निभाते हुए नजर आएंगे । निभाई बाली फिल्म एवं टीवी सीरियल में रावण का किरदार पहले भी निभा चुके है। लीजेंड फिल्म अभिनेता हेमन्त पाण्डे नारद मुनि के किरदार में दिखाई देंगे, पिछले तीन दशक से फिल्म एण्ड टीवी इण्डस्ट्रीज में अपनी अलग पहचान बनाये हुए है। बालिवुड चरित्र अभिनेता मनीष चर्तुवेदी रावण पुत्र मेघनाद का अभिनय करेंगे। अर्जुन कुमार ने यह भी बताया कि हमने मीडिया के साथियों के सम्मुख इन तीनों कलाकारों को उनके रीयल किरदार के मेकअप और कास्टयूम में ही पेश करने का फैसला किया जिससे यह सभी आर्टिस्ट अपने किरदार के और नजदीक आकर सवालों का जवाब दे सकें।

कमेटी अध्यक्ष अर्जुन कुमार ने आगे जानकारी देते बताया कि पहली बार ऐसे एक्शन दृश्य का मंचन होगा हवा में ही रामलीला के कई प्रमुख पात्र भी गायब हो जायेगे। जैसे सीता हरण के बाद अशोक वाटिका में सीता को डराने आयी राक्षसियां हवा में गायब हो जायेंगी यह सीन बैठें राम भक्तों को आश्चर्य चकित कर देंगे। खुले आकाश में 180 फीट हाईट की केनों की मदद से अनेक एक्शन स्टंट सीन हवा में किये जायेंगे। इन सीनों में हवा में उड़ते हुए विशाल रथ पर पर श्री राम व लक्ष्मण, दूसरे रथ में श्री राम की सेना, तीसरे रथ पर महाबली रावण सवार होगें। हवा में श्रीराम-रावण युद्ध करते हुए दिखाई देंगे। आकाश में ही रावण द्वारा सीता हरण, जटायु वध, हनुमान जी का संजीवनी बूटी लाना और राम रावण युद्ध के एक्शन दृश्य प्रमुख है।

अर्जुन कुमार ने कहा कि कमेटी द्वारा 17 सितम्बर 2024 माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द मोदी के जन्म दिवस के अवसर पर मेगा हेल्थ कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। दिव्याग जनों के लिए कृत्रिम सहायक उपकरण भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा दिये जायेगे। कृत्रिम अंगों के साइज और उनका नाप लेने के लिए पंजीकरण सह-परीक्षण शिविर 1 से 10 सितम्बर 2024 तक अलग अलग क्षेत्रों में प्रताप नगर, सीताराम बाजार, पहाडगंज, पंजाबी बस्ती, आजादपुर, आदर्श नगर, शालीमार बाग, रानी बाग, त्रिनगर, अशोक विहार आदि में लगाये जा रहे है। दिव्यांगों सहायक उपकरण व्हीलचेयर, ट्राईसाईकिल, वाकर, स्टिक, वैसाखी, कानों की मशीन, महिलाओं को साड़ी, वितरण, स्कूली बच्चों को स्कूल बैग, किताबे, ब्लैड डोनेशन आदि के लिए पंजीकरण करवाया जा सकता है।

कमेटी के महासचिव सुभाष गोयल ने प्रेस वार्ता में मीडिया को बताया कि फिल्म इण्डस्ट्री के साथ-साथ कई केन्द्रीय मंत्री, सांसद, विधायक, खेल जगत की नामी हस्तियों के साथ-साथ पहली बार आर्मी ऑफीसर, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ एडवोकेट, अपोलो हास्पीटल के सीनियर डाक्टर और व्यापारी भी लीला के अलग-अलग किरदार निभाएंगे। रामलीला में नये-नये अद्भूत, आधुनिक प्रयोग, आसान भाषा का प्रयोग, लीला भव्य, सुंदर, मनोहरी हो उसके लिए लेटेस्ट तकनीक इस्तेमाल होगी।

कमेटी के चेयरमैन पवन गुप्ता ने बताया कि लव कुश रामलीला कमेटी का लीला मंचन 3 से 13 अक्तूबर 2024 तक सायं 7 बजे से मध्य रात्रि तक ऐतिहासिक लालकिला मैदान दिल्ली पर रामेश्वरम धाम मंदिर की थीम पर बने मंच होगा। डायरेक्टर प्रवेश कुमार के निर्देशन में लीला सम्पन्न होगी।

मीडिया से रूबरू होते हुए हेमंत पाण्डे ने सबसे पहले अपने अलग स्टाइल में नारायण-नारायण कहकर यहां मौजूद सभी मीडिया के साथियों का मन मोह लिया, नारद मुनि का फुल कास्टयूम पहने हेमंत पाण्डे ने बताया मैं अपने अब तक करियर में यहां पहली बार नारद मुनि का किरदार निभा रहा हू, यह मेरे लिए बड़ा चैलेंज है।

महाबली रावण का किरदार निभा रहे फिल्म एक्टर निमाई बाली ने बताया कि टीवी और बिग स्क्रीन पर मै रावण, कंस सहित कई पौराणिक किरदार निभा चुका हूँ, लेकिन हजारों दर्शकों के सम्मुख बिना किसी रीटेक के रावण के किरदार को जीवंत निभाने के मकसद से मुंबई में अपने घर ही रिहर्सल कर रहा हूँ। मेघनाद के कास्टयूम में फिल्म एक्टर मनीष चर्तुवेदी ने कई संवाद प्रस्तुत किए।

गाजियाबाद में GDA का 239 करोड़ बकाया, 5 हजार से ज्यादा डिफॉल्टरों के घर पहुंचेगी टीम; रद हो सकता है आवंटन

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (GDA) ने अपना बकाया वसूलने की तैयारी कर ली है। बिल्डर और आवंटियों से बकाया वसूली के लिए जीडीए पांच हजार से ज्यादा डिफॉल्टरों को नोटिस भेजेगा। बकाया रुपये जमा नहीं करने पर डिफॉल्टरों के घर का आवंटन रद हो सकता है। वर्तमान में जीडीए का आवंटियों पर 125 करोड़ और बिल्डर्स पर 114 करोड़ रुपये बकाया है।

गाजियाबाद। बिल्डर और आवंटियों से बकाया वसूली के लिए गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (GDA) ने योजना तैयार की है। जीडीए वीसी अतुल वत्स ने कहा कि प्राधिकरण पांच हजार से अधिक बकायेदारों को नोटिस भेजकर बकाया 239 करोड़ रुपये वसूलने की तैयारी कर रहा है।

नोटिस भेजने के बाद सुपरवाइजर बकायेदारों के दरवाजों पर वसूली के लिए दस्तक देंगे। साथ ही, यदि कोई इसके बाद भी पैसा जमा नहीं करवाता तो आवंटन को निरस्त करने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। प्राधिकरण अब कई-कई वर्ष से बकाया न चुकाने वालों बिल्डर और आवंटियों से वसूली की तैयारी कर रहा है।

बिल्डर्स पर है 114 करोड़ रुपये बकाया

जीडीए का आवंटियों पर 125 करोड़ और बिल्डर्स पर 114 करोड़ रुपये बकाया है। जीडीए वीसी अतुल वत्स ने संबंधित जोन प्रभारियों को निर्देशित करते हुए बकायेदारों को नोटिस भेजने के लिए कहा है। नोटिस के बावजूद बकाया जमा न कराने वालों के आवंटन निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी।

बकायेदारों के घर दस्तक देंगे सुपरवाइजर

इसके अलावा बकाया वसूलने के लिए संबंधित जोन के सुपरवाइजर बकायेदारों के यहां जाकर दस्तक देंगे। जीडीए की ओर से एकमुश्त जमा योजना के तहत बकाया जमा करवाने का भी प्रयास किया जा चुका है, लेकिन आवेदन करने के बाद लोगों ने पैसा जमा नहीं किया।

बकायेदारों में सर्वाधिक 3,061 डिफाल्टर नंदग्राम, 1,697 तुलसी निकेतन, 1,324 इंदिरापुरम के शामिल हैं। सर्वाधिक 100 करोड़ रुपये से अधिक का बकाया इंदिरापुरम के डिफाल्टर पर है।

बरेली कार्यभार न संभालने पर वेतन रोका

जीडीए के मुख्य नगर नियोजक का बरेली विकास प्राधिकरण में रिक्त इसी पद पर स्थानांतरण किया गया। उन्हें सप्ताह में दो दिन शुक्रवार व शनिवार को मुरादाबाद विकास प्राधिकरण से भी संबद्ध किया गया था, लेकिन पदभार ग्रहण न करने पर उनका शासन से वेतन रोकने के साथ ही आदेश की अवहेलना पर स्पष्टीकरण मांगा गया है।

प्राधिकरण के मुख्य नगर नियोजक अजय कुमार सिंह का 25 जून 2024 को बरेली विकास प्राधिकरण में रिक्त इसी पद पर तैनात करते हुए सप्ताह में दो दिन मुरादाबाद विकास प्राधिकरण से संबद्ध किया गया था। अजय कुमार सिंह ने कार्यभार ग्रहण नहीं किया, जिस पर शासन की ओर से एक जुलाई से कार्यमुक्त किया गया।

अजय कुमार सिंह ने नहीं संभाला कार्यभार

उत्तर प्रदेश सरकार के विशेष सचिव महेंद्र प्रसाद भारती ने पत्र जारी करते हुए बताया कि अजय कुमार सिंह ने बरेली विकास प्राधिकरण में मुख्य नगर नियोजक के पद पर कार्यभार ग्रहण नहीं किया। शासकीय आदेशों की अवहेलना पर उत्तर प्रदेश सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली-1956 के सुसंगत प्रविधानों के तहत कार्यभार ग्रहण न करने पर वेतन तत्काल प्रभाव से रोकते हुए स्पष्टीकरण तलब किया गया है।

स्पष्टीकरण तत्काल न देने पर अजय कुमार सिंह के विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनिक कार्यवाही की जाएगी। इसकी प्रतिलिपि जीडीए उपाध्यक्ष को भेजते हुए मुख्य नगर नियोजक का वेतन तत्काल रोकते हुए उक्त पत्र की प्रति के साथ सूचना शासन को भेजने के निर्देश दिए हैं।

मेरठ रोड पर कटे पेड़ के हिस्से से टकराई कार, दो की मौत

परिवहन विशेष न्यूज

मेरठ रोड पर एक दर्दनाक हादसा हुआ जिसमें दो लोगों की जान चली गई। शनिवार देर रात मेरठ रोड डीपीएस कट के पास एक कार पेड़ के कटे हुए शेष हिस्से से टकरा गई। हादसे में एक कामगार की मौके पर ही मौत हो गई जबकि कार में सवार एक अन्य व्यक्ति ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गाजियाबाद। शनिवार देर रात मेरठ रोड पर पेड़ के कटे हुए शेष हिस्से से कार टकराने पर हुए हादसे में दो लोगों की मौत हो गयी। हादसा मेरठ रोड डीपीएस कट के पास हुआ।

पुलिस के मुताबिक देर रात करीब ढाई बजे दिल्ली से मेरठ की तरफ जा रही कार डीपीएस कट के पास कटे हुए पेड़ के शेष हिस्से से टकरा गई। इससे कार अनियंत्रित होकर फुटपाथ पर सो रहे एक कामगार के उपर चढ़ गई। हादसे में फुटपाथ पर सो रहे 50 वर्षीय वेद प्रकाश की मौत हो गए।

हादसे के बाद कार सवार तीन लोग मौके से फरार हो गए जबकि चालक के बगल में बैठा एक व्यक्ति घायल हो गया। घायल को इलाज के लिए संजय नगर स्थित संयुक्त जिला अस्पताल भर्ती कराया जहां इलाज के दौरान सुबह उन्होंने दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान दिल्ली के नरेला की कृष्णा कालोनी एक्सटेंशन निवासी 42 वर्षीय सत्यनारायण के रूप में हुई।

एनएच-नौ पर जाम से परेशान रहे वाहन चालक

शनिवार को एनएच-नौ पर वाहन चालक जाम से परेशान रहे। सुबह से रात तक कई बार वाहन चालकों को जाम से जूझना पड़ा। छिजारसी के पास काम होने की वजह से जाम लगा। रात में शाहबेरी और क्रासिंग के लिए एबीईएस की तरफ से जाने वाले मार्ग पर भी वाहन चालक जाम से परेशान रहे।

शनिवार को रात को एनएच-नौ पर लाल कुआं से एबीईएस कट तक वाहनों को जाम से जूझना पड़ा। वाहनों का दबाव अधिक होने की वजह से जाम लगा। दिन में छिजारसी के पास एनएच-नौ पर जाम लगा।

रिक्शा चालकों ने विरोध जताया

हापुड़ रोड पर पुराने बस अड्डे से डासना आरओबी तक सोमवार से ई रिक्शा पर प्रतिबंध लगाने के पुलिस के निर्णय के विरोध में ई रिक्शा चालक आ गए हैं। शनिवार शाम संजय नगर एम ब्लाक टेंपो स्टैंड पर एकत्र होकर विरोध किया।

ई रिक्शा चालक देवेंद्र का कहना है कि यदि ई रिक्शा जाम लगने की वजह है तो आरटीओ में नए ई रिक्शा का रजिस्ट्रेशन बंद करा देना चाहिए। यदि पुलिस उनकी नहीं सुनेगी तो वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से गुहार लगाएंगे।

खुले पैसों के विवाद में यमुना एक्सप्रेस-वे के जेवर टोल प्लाजा पर चले लात-घूंसे

ग्रेटर नोएडा के जेवर टोल प्लाजा पर रविवार दोपहर को खुले पैसों को लेकर पंजाब के एक स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता और टोल कर्मचारियों के बीच विवाद हो गया। भाजपा कार्यकर्ता ने हथियार दिखाया और दोनों पक्षों के बीच हाथापाई हुई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत करा दिया है।

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेस-वे के जेवर टोल प्लाजा पर रविवार दोपहर को खुले पैसों को लेकर पंजाब के स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता व टोलकर्मियों के बीच विवाद हो गया। भाजपा कार्यकर्ता द्वारा हथियार दिखाने पर दोनों पक्षों में लात घूसे चलने का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है।

इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहे वीडियो तथा सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार रविवार दोपहर दो बजे के करीब आगरा की तरफ से एक कार जेवर टोल प्लाजा पर पहुंचती है। कार चालक ने टोलकर्मी को 500 रुपये दिए। टोलकर्मी के पास खुले पैसे न होने पर वह दूसरे टोलकर्मी से खुले पैसे लेने जाता है।

इसी बीच कार सवार ने अपने आपको पंजाब का भाजपा कार्यकर्ता बताते हुए हंगामा शुरू कर दिया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार भाजपा कार्यकर्ता बताने वाले व्यक्ति ने कार से हथियार निकाल लिया व धमकी देने लगा। शोर सुनकर टोल पर तैनात सुरक्षाकर्मी भी वहां पहुंच गए। सुरक्षा कर्मियों ने गाली गलौज करने से मना किया, जिसके बाद दोनों पक्षों में विवाद शुरू हो गया तथा लात घूसे चलने लगे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत करा दिया। पुलिस का कहना है कि कोई तहरीर नहीं दी गई है।

नोएडा के 17 अधिकारी-कर्मचारी पर हुई कार्रवाई, सरकार का निर्देश न मानने पर चला चाबुक, प्राधिकरण में अफरा-तफरी

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा प्राधिकरण के कर्मचारी-अधिकारी पर सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है। 17 अधिकारी-कर्मचारियों पर शासन का चाबुक चला है। दरअसल ये सरकार के निर्देशों को दरकिनार कर पुराने विभागों में जमे रहने और नई तैनाती पर न पहुंचने के कारण कार्रवाई हुई। इनमें 14 अधिकारियों-कर्मचारियों को निलंबित करने के साथ तीन अधिकारी की विभागीय जांच का आदेश भी शामिल है।

नोएडा। नोएडा-ग्रेटर नोएडा यमुना प्राधिकरण में तैनात 17 अधिकारी-कर्मचारियों को शासन का निर्देश दरकिनार करना महंगा पड़ गया। तबादले के बाद भी अपनी मर्जी से पुराने विभागों में जमे रहे और नई तैनाती पर नहीं पहुंचे। न ही नई तैनाती पर जाने का कारण अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग को स्पष्ट किया। ऐसे में अनुशासनहीनता करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को विभाग के प्रमुख सचिव अनिल सागर ने शुक्रवार देर रात निलंबित करने का आदेश जारी कर पत्र तीनों प्राधिकरणों को भेज दिया।

देर रात जारी इस विभागीय आदेश में तीनों प्राधिकरण में अफरातफरी मच गई है, क्योंकि 14 अधिकारियों-कर्मचारियों को निलंबित करने के साथ तीन अधिकारी की विभागीय जांच का आदेश शामिल है। पिछले दिनों औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने लखनऊ में नोएडा प्राधिकरण की समीक्षा बैठक बुलाई थी, इसमें मंत्री ने नाराजगी जताई थी और चेतावनी दी कि तबादला होने के बाद भी जो अधिकारी-कर्मचारी विभागों में जमे है, उन्हें निलंबित कर दिया जाएगा।

तबादले के आदेश को गंभीरता से नहीं लिया

उसके बाद भी तबादला वाले अधिकारी-कर्मचारियों ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया। इसके बाद अंडर ट्रांसफर वाले अधिकारी कर्मचारी की पत्रावली को मंत्रालय में तलब कर लिया गया। निलंबित होने वालों में यमुना प्राधिकरण में प्रबंधक अजब सिंह भाटी भी शामिल है। हालांकि पांच लोगों के नाम अभी पत्र विभागों में नहीं पहुंचा है। इसलिए आज उनके पत्र जारी होने संभावना है।

नोएडा प्राधिकरण में निलंबित अधिकारी-कर्मचारी

विजेंद्र पाल सिंह कोमर- निजी सचिव

नरदेव- सहायक विधि अधिकारी

सुशील भाटी- सहायक विधि अधिकारी

यूएस फारूख- सहायक प्रबंधक नियोजन

सुमित ग्रोवर- प्रबंधक नियोजन

प्रमोद कुमार- लेखाकार

नोएडा में इन पर होगी विभागीय जांच

विजय कुमार रावल- उपमहाप्रबंधक सिविल

सतेंद्र गिरी- वरिष्ठ प्रबंधक

प्रेम कुमार- सहायक प्रबंधक नियोजन

ग्रेटर नोएडा में निलंबित होने वाले अधिकारी कर्मचारी

सुरेंद्र कुमार- सहायक प्रबंधक

आरए गौतम- वरिष्ठ प्रबंधक

विजय कुमार बाजपेई- प्रबंधक

सनातनियों को एकजुट रहने का मन्त्र और विपक्ष की बौखलाहट

मृत्युंजय दीक्षित

उत्तर प्रदेश में योगी जी के राज्य का मुखिया बनने के साथ ही सभी थानों में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया जाने लगा है जिसने इस पर्व को प्रदेश में एक नया उत्साह दिया है। स्वाभाविक रूप से सेक्यलुर यानि हिन्दू विरोधी शक्तियों को यह उल्लास अच्छा नहीं लगता है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुखर होकर सनातन धर्म और हिंदुत्व की बात करते हैं और निरंतर हिन्दू समाज को एकता और राष्ट्र प्रथम का सन्देश देते रहते हैं। बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ हो रही वीभत्स हिंसा का सन्दर्भ लेते हुए उन्होंने अपनी बात को और अधिक स्पष्ट करते हुए कहा कि "हम बटेंगे तो कटेंगे"। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ का सीधा सन्देश हिन्दू समाज को जातियों में बाँटने से रोकने और हिन्दुओं के लिए इसके कुप्रभावों के प्रति जागरुक करना था।

उत्तर प्रदेश में योगी जी के राज्य का मुखिया बनने के साथ ही सभी थानों में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया जाने लगा है जिसने इस पर्व को प्रदेश में एक नया उत्साह दिया है। स्वाभाविक रूप से सेक्यलुर यानि हिन्दू विरोधी शक्तियों को यह उल्लास अच्छा नहीं लगता है। इस बार श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर योगी जी ने आगरा - मथुरा में कई कार्यक्रमों में भाग लिया और जन समुदाय को संबोधित किया। इनमें सबसे अधिक चर्चा उनके आगरा में मारवाड़ शासक महराजा जसवंत सिंह के सेनापति दुर्गादास राठौर की प्रतिमा अनावरण समारोह को संबोधित करते हुए वक्तव्य की हो रही है। इस वक्तव्य में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं हो सकता, राष्ट्र तभी सशक्त हो सकता है जब हम एकजुट रहेंगे। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में देख रहे हो न क्या हो रहा है? ऐसी गलती यहां नहीं होनी चाहिए, समाज जाति भाषा के नाम पर बांटने वाली ताकतों से सावधान रहना होगा। मुख्यमंत्री ने श्री कृष्णजन्माष्टमी बधाई देते हुए कहा, पांच हजार वर्ष पूर्व श्रीकृष्ण ने धर्म पथ का अनुसरण करने को सत्य व न्याय का सन्देश दिया था। हम सभी लोकमंगल व राष्ट्रमंगल के प्रति पूर्ण समर्पण भाव से कार्य करें। ताकि हम सभी मिलकर विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए सर्वश्रेष्ठ योगदान कर सकें।इधर कई अवसरों पर मुख्यमंत्री ने सनातन धर्म पर अपने विचार रख रहे हैं तथा स्पष्ट रूप से कहा है कि सनातन धर्म ही भारत का एकमात्र धर्म है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयानों से समावजादी मुखिया अखिलेश यादव और मुसलमानों के एकमात्र स्वयंभू नेता बनने के लिए लालायित एआईआईएएम के असदुद्दीन ओवैसी बौखला गए हैं। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि योगी प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं। कम से कम उन्हें प्रधानमंत्री का रोल नहीं अदा करना चाहिए। यह वही अखिलेश यादव हैं जिन्होंने लोकसभा में चंद सीटें बढ़ते ही लखनऊ में अपने प्रधानमंत्री पद की चाहत वाले पोस्टर लगवा दिये गये थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हिंदू जनमानस से बिल्कुल सटीक व स्पष्ट बात कह रहे हैं क्योंकि बांग्लादेश में हिंदुओं पर जिस तरह से अत्याचार हुए उस पर दुनिया में किसी ने भी कहीं भी कोई भी आवाज नहीं उठायी। बांग्लादेश, अफगानिस्तान और पाकिस्तान में हिंदुओं पर लगातार आत्याचार होते आ रहे हैं किंतु किसी भी मानवाधिकारी की कलम नहीं चली और जो अमेरिका भारत में होने वाली छोटी मोटी घटनाओं पर उपदेश देता रहता उसके मन में कोई संवेदना नहीं जागी। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बांग्लादेश की घटनाओं पर कड़ी चिंता व्यक्त की तब कहीं जाकर कुछ सुस्ती टूटी है पर वह नाकाफी है तथा बांग्लादेश के दूरदराज के हिस्सों में अभी भी हिन्दुओं पर उसी प्रकार से अत्याचार किया जा रहा है।

जिस तरह बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ बर्बरता की गई व पवित्र मंदिरों को ध्वस्त किया गया वह बहुत ही हृदय विदारक था। किंतु इस भयावह मानवीय त्रासदी पर मोमबत्ती हाथ में लेकर एक भी वामपंथी जुलूस नहीं निकला। भारत के तथाकथित वामपंथी व इंडी गठबंधन के सभी नेता व विचारक फिलीस्तीन और गाजा पर तो आंसू बहाते रहते हैं और सोशल मीडिया पर कैपेन चलाते रहते हैं किंतु बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा पर मौन हो जाते हैं। इनकी सभी समीक्षाएं व चर्चायें पूरी तरह से हिंदू विरोध पर ही केनद्रित रहती हैं क्योंकि संगठित हिंदू इनका वोटबैक नहीं है और आजकल ये कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में हिंदू समाज को टुकडों में टुकड़ो में विभाजित करने के लिए हर जगह हिन्दुओं की जाति खोज रहे हैं।

योगीजी के बयानों पर विपक्षी विचारकों का कहना है कि उत्तर प्रदेश में आगामी उपचुनावों को ध्यान में रखते हुए वह इस प्रकार की बयान बाजी कर रहे हैं, यह तर्क पूरी तरह से असत्य है क्योंकि जब से योगी जी ने मुख्यमंत्री का पदभार संभाला है उन्होंने अयोध्या, मथुरा और काशी को विकास कार्यों के केंद्र में रखा है और विभिन्न अवसरों पर सनातन धर्म पर विचार व्यक्त किये हैं। तथाकथित वामपंथी विचारक यह अर्नगल बात भी कह रहे हैं कि योगी जी के बयानों के कारण बांग्लादेश के साथ सम्बंध खराब हो सकते है। क्या ऐसे हिन्दू द्रोही वामपंथी समाजवादी विचारों के कारण हम बांलादेश के हिंदुओं की चिंता करना बंद कर दें?

जिस तरह विपक्ष के बड़े नेता कह रहे हैं कि एक दिन भारत के हालात भी बांग्लादेश की तरह होने वाले हैं वह चिंताजनक है। विपक्ष की यह बयानबाजी वास्तव में हिंदुओं के लिए चेतावनी है। यही कारण है कि योगी जी को हिन्दू समाज से कहना पड़ रहा रहे है कि "हम बटेंगे तो कटंगे"।

योगी जी के बयान की निंदा करने वाले वाही लोग हैं जो माफिया की मौत पर उनके घर पर शोक संवेदना व्यक्त करने जाते रहे हैं। असदुद्दुदीन जैसे लोग चाहते हैं वो संसद में फिलिस्तीन के समर्थन में नारे लगाएं लेकिन भारत संबंधों की दुहाई के नाम पर बांग्लादेश के हिंदुओं को असहाय छोड़ दे।

सच तो यह है कि उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सनातन हिंदू धर्म के ध्वजवाहक बन कर उभर रहे हैं। भले ही राजनैतिक विश्लेषक मुख्यमंत्री के बयानों को मतदाताओं का ध्रुवीकरण करने की नीति कहें किन्तु वास्तविकता यही है कि योगी आदित्यनाथ सदा से ही सनातन की रक्षा के लिए तत्पर रहे हैं और सनातन की बात करना उनके लिए संकल्प है राजनीति नहीं।

नोएडा के इस इलाके में आसानी से खरीद सकेंगे प्लॉट, 10 साल तक के लिए 100 रुपये प्रति वर्गमीटर का फॉर्मूला

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा के सेक्टर-69 और सेक्टर-88 स्थित ट्रांसपोर्ट नगर के लिए नई आवंटन दरें लागू की गई हैं। सात साल बाद अब यहां प्लॉटों की खरीद-फरोख्त हो सकेगी। ट्रांसपोर्टरों को प्लॉट आवंटित हुए सात साल हो चुके हैं लेकिन शुल्क तय नहीं होने के कारण आधिकारिक रूप से प्लॉटों की बिक्री नहीं हो पा रही थी। अब नोएडा प्राधिकरण को ट्रांसफर चार्ज मिल सकेगा।

नोएडा। सेक्टर-69 व सेक्टर-88 स्थित ट्रांसपोर्ट नगर के लिए नई आवंटन दरें लागू हो गई हैं। करीब सात साल बाद यहां अब प्लॉटों की खरीद-फरोख्त होकर हस्तांतरण हो सकेगा। किराया अनुमति की प्रक्रिया आसानी से हो सकेगी।

अभी सेक्टर-69 औद्योगिक विभाग एरिया के अंतर्गत फेज-3 में आता है। सेक्टर-88 फेज-2 में आता है। अभी समझौते के आधार पर प्लॉट की बिक्री हो रही थी। मगर प्राधिकरण की ओर से मान्य नहीं होने के कारण पूरी तरह से सबलीज नहीं हो पा रही थी।

प्राधिकरण को मिलेगा ट्रांसफर चार्ज

अब प्राधिकरण को ट्रांसफर चार्ज मिल सकेगा। अधिकारियों का कहना है कि ट्रांसपोर्ट नगर के प्लॉटों के अंतरण शुल्क की गणना प्रचलित आवंटन रेट और लोकेशन चार्ज के रूप में चार प्रतिशत प्रति वर्ग मीटर के अनुसार की जाएगी। जीएसटी अलग से देना होगा।

किराया अनुमति शुल्क भी लागू कर दिया गया है। फेज-2 के अधीन सेक्टर-88 स्थित ट्रांसपोर्ट नगर के लिए 10 साल तक के लिए 100 रुपये प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से शुल्क लिया जाएगा। फेज-3 एरिया के अधीन सेक्टर-69 स्थित ट्रांसपोर्ट नगर के लिए 10 साल तक के लिए 200 रुपये प्रति वर्ग मीटर का किराया तय किया गया है।

चोरी-छिपे समझौते के आधार पर दिया जा रहा था प्लॉट

पांच साल के लिए किराया अनुमति मांगने के लिए उपरोक्त दरों का आधा शुल्क लिया जाएगा। आवंटी द्वारा प्रस्तुत आवेदनों पर ट्रांसपोर्ट नगर के लिए योजना के नियम व शर्तों के तहत प्लॉट के अंतरण की प्रक्रिया होगी।

ट्रांसपोर्ट नगर में ट्रांसपोर्टरों को प्लॉट आवंटित हुए सात साल हो चुके हैं, लेकिन शुल्क तय नहीं होने के कारण आधिकारिक रूप से प्लॉटों की बिक्री नहीं हो पा रही थी। सबलीज नहीं होने से चोरी-छिपे समझौते के आधार पर प्लॉट को दिया जा रहा था। अब रेट तय होने से इन प्लॉटों की बिक्री का रास्ता खुल गया है।

– :सौजन्य :–

ईवी ड्राइव द फ्यूचर

EV Drive the Future

बांग्लादेश को भारत से डीजल और बिजली की आपूर्ति ठप, द्विपक्षीय कारोबार का पहिया भी थमा

परिवहन विशेष न्यूज

बांग्लादेश में पूर्व पीएम शेख हसीना को सत्ता से हटाने के बाद जारी आंतरिक अस्थिरता की वजह से भारत सरकार व भारतीय कंपनियों की तरफ से वहां निर्माणाधीन तकरीबन हर विकास अथवा ढ़ांचागत परियोजना पर असर हुआ है। इसकी वजह से बांग्लादेश को बिजली की आपूर्ति भी प्रभावित है और फ्रेंडशिप पाइपलाइन से बांग्लादेश को डीजल आपूर्ति करने का काम भी स्थगित है।

दोनों देशों की सीमाओं पर होने वाला द्विपक्षीय कारोबार का पहिया भी थमा हुआ है और एक दूसरे देशों के कारोबारियों को आने-जाने को लेकर भी कई समस्याएं खड़ी हो रही हैं। अब स्थिति तभी सामान्य होगी जब वहां हालात स्थिर होंगे। इस बात के संकेत विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने दिये हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता जायसवाल ने बताया है कि, "जो भी वहां हमारे डेवलपमेंट प्रोजेक्ट चल रहे थे, वह स्थगित हो गए हैं। इनमें काम करने वाले लोग वापस आ गए हैं। दूसरे भी कई कारण रहे हैं। एक बार जब स्थिति बेहतर होगी और कानून-व्यवस्था बहाल होगा तो देखेंगे। वहां की सरकार से बात करेंगे कि इसको कैसे आगे ले जाया जाए।"

मीडिया ने जब यह पूछा कि क्या सिलीगुड़ी (पश्चिम बंगाल) से पार्बतीपुर (बांग्लादेश) तक बिछाई गई पाइपलाइन (फ्रेंडशिप पाइपलाइन) से डीजल की आपूर्ति व बिजली की आपूर्ति भी बाधित है तो जायसवाल ने कहा कि, "हां हर तरह की परियोजना प्रभावित है। कानून-व्यवस्था बिगड़ने से सब पर असर आया है।"

137.1 किलोमीटर लंबी फ्रेंडशिप पाइपलाइन पूरी तरह से भारत की वित्तीय मदद से लगाया गया है जिससे सालाना 10 लाख टन डीजल बांग्लादेश को देने की क्षमता है। इसकी सफलता से उत्साहित दोनों देशों ने अब पेट्रोल सप्लाई के लिए भी पाइपलाइन बिछाने का फैसला किया था। जबकि बांग्लादेश को भारत से सालाना 2700 मेगावाट बिजली की भी आपूर्ति करने की व्यवस्था है। इस बिजली के लिए एक अरब डॉलर का भुगतान भी अभी बांग्लादेश से नहीं मिला है

कंपनी ने अपनी इलेक्ट्रिक कारों से मचाया तहलका, बिक्री में आया जबरदस्त उछाल, कुल बिक्री का 35% हिस्सा सिर्फ ईवी का

परिवहन विशेष न्यूज

जेएसडब्लू एमजी मोटर ने रविवार, 01 सितंबर को घोषणा की कि उसने अगस्त 2024 में 4,571 इकाइयों की खुदरा बिक्री दर्ज की है, जो पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 9 प्रतिशत की सालाना वृद्धि से अधिक है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि ऑटोमेकर ने दावा किया है कि इस साल अगस्त 2024 में भारतीय बाजार में उसकी कुल बिक्री का 35 प्रतिशत हिस्सा इलेक्ट्रिक वाहनों से आया है, जिसमें एमजी जेडएस ईवी और कॉमेट ईवी भी शामिल है।

जेएसडब्लू एमजी मोटर वर्तमान में भारतीय बाजार में कई यूटिलिटी वाहन बेचती है, जिसमें हेक्टर, हेक्टर प्लस, एस्टोर, ग्लोस्टर आदि शामिल हैं। इसके अलावा एमजी जेडएस ईवी को ब्रांड की प्रमुख इलेक्ट्रिक कार के रूप में बेचा जाता है, जबकि कॉमेट ईवी देश की सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कार है।

एमजी का दावा है कि कॉमेट ईवी के लिए कस्टमाइजेशन प्रोग्राम समेत इसकी संशोधित रणनीति ने बिक्री संख्या को बढ़ाने में मदद की है। करीब 6 महीने पहले एमजी हर महीने कॉमेट ईवी की करीब 400 यूनिट बेच रही थी, जबकि अपडेट की गई रणनीति के साथ यह संख्या बढ़कर 900 यूनिट प्रति महीने हो गई है।

कार निर्माता वर्तमान में अपनी अगली इलेक्ट्रिक कार एमजी विंडसर को लॉन्च करने की तैयारी में लगी है, जो मूल रूप से वुलिंग क्लाउड ईवी का री-बैज्ड वर्जन है जिसे कुछ महीने पहले इंडोनेशिया ऑटो शो में दुनिया के सामने प्रदर्शित किया गया था। आगामी एमजी विंडसर ईवी को भारत में कई विशेषताओं के साथ लॉन्च किया जाएगा। इसे जेडएस ईवी और कॉमेट ईवी के बीच रखा जाएगा। लॉन्च होने पर यह बीवाईडी ई6 जैसे प्रतिद्वंद्वियों के साथ प्रतिस्पर्धा करेगी।

एमजी विंडसर ईवी को 11 सितंबर को लॉन्च किया जाना है। ये कई तरह के फीचर्स से लोड होगी। उम्मीद है कि इसकी कीमत लगभग 20 लाख रुपये एक्स-शोरूम होगी।

दिल्लीवासियों को ईवी पॉलिसी के कार्यान्वयन के लिए और प्रतीक्षा होगी करनी

राजधानी में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए तैयार की गई इलेक्ट्रिक वाहन पॉलिसी 2.0 के लिए अभी दिल्ली वासियों को अभी और इंतजार करना पड़ेगा। पुरानी पॉलिसी 30 जून का समाप्त हो चुकी है। इसे कई बार आगे बढ़ाया भी जा चुका है। ऐसे में बताया जा रहा है कि अब इसे आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। इसकी जगह पर नई ईवी पॉलिसी 2.0 लागू की जाएगी। लेकिन यह कब लागू होगी इसको लेकर बहुत सारे सवाल बने हुए हैं। मौजूदा समय में पॉलिसी नहीं लागू होने से नई इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने पर ग्राहकों को कोई सब्सिडी नहीं मिल रही है। परिवहन विभाग के अधिकारियों के अनुसार इलेक्ट्रिक वाहन पॉलिसी 2.0 का ड्राफ्ट तैयार है। इसे अभी कैबिनेट में भेजा जाएगा। वहां से और एलजी से मंजूरी मिलने के बाद लागू की जाएगी। लेकिन दिल्ली के मुख्यमंत्री अभी जेल में हैं। ऐसे में कैबिनेट की बैठक नहीं हो पा रही है। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री के जेल से बाहर आने के बाद जब सरकार का कामकाज सामान्य रूप से चलने लगेगा तब कैबिनेट में पॉलिसी को लाया जाएगा। इस पर विचार-विमर्श होगा। सुधार करने की जरूरत होगी तो वह भी किया जाएगा। फिर कैबिनेट पॉलिसी को मंजूर करेगी। इसके बाद इसे लागू किया जाएगा। इस स्थिति में अभी फिलहाल दिल्ली वासियों को ईवी पॉलिसी के लिए इंतजार करना पड़ेगा।

महिंद्रा स्कोडा के साथ मिलकर अपने इलेक्ट्रिक वाहन पोर्टफोलियो का करेगी विस्तार

परिवहन विशेष न्यूज

महिंद्रा एंड महिंद्रा और स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया इलेक्ट्रिक एसयूवी के लिए एक संयुक्त उद्यम तैयार कर रहे हैं 50-50% साझेदारी के लिए दोनों पक्षों के बीच बातचीत अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है। संयुक्त उद्यम पेट्रोल-डीजल वाहनों का भी निर्माण करेगा, लेकिन इसका ध्यान भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों के लिए ई-एसयूवी पर होगा। दोनों ग्रुप की तैयारियों से जुड़े लोगों ने बताया कि उत्पादन के लिए दोनों कंपनियों के चाकण (पुणे) प्लांट्स का इस्तेमाल किया जाएगा। इसकी लागत, तकनीक और प्लेटफॉर्म साझा करने की योजना को अंतिम रूप दिया जा रहा है। साल के अंत तक इसकी घोषणा हो सकती है।

7.99 लाख की किआ सोनेट की मांग से किआ को मिला फायदा, अगस्त 2024 में की 22523 गाड़ियों की बिक्री

साउथ कोरियाई वाहन निर्माता Kia की ओर से भारतीय बाजार में बेहतरीन एसयूवी और एमपीवी को ऑफर किया जाता है। कंपनी से मिली जानकारी के मुताबिक August 2024 के दौरान कुल कितनी यूनिट्स की बिक्री (Kia Sales in August 2024) हुई है। बीते महीने के दौरान किस गाड़ी की कितनी मांग रही है। कितनी यूनिट्स को एक सपोर्ट किया गया है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। किआ मोटर्स की ओर से भारतीय बाजार में कई बेहतरीन वाहनों की बिक्री की जाती है। कंपनी ने August 2024 के दौरान कितने वाहनों की बिक्री की है। एक्सपोर्ट के मामले में कंपनी का कैसा प्रदर्शन रहा है। बीते महीने के दौरान किस वाहन का बिक्री में कितना योगदान रहा है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

हुई 22 हजार से ज्यादा यूनिट्स की बिक्री

कंपनी से मिली जानकारी के मुताबिक बीते महीने के दौरान किआ की ओर से 22523 यूनिट्स वाहनों की बिक्री की गई है। ईयर ऑन ईयर बेसिस पर कंपनी ने 17.19 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की है। बीते साल August महीने में किआ ने 19219 यूनिट्स वाहनों की बिक्री की थी।

किआ सोनेट की सबसे ज्यादा मांग

कंपनी से मिली जानकारी के मुताबिक सबसे ज्यादा मांग Kia Sonet की है। किआ की सबसे सस्ती कॉम्पैक्ट सेगमेंट की एसयूवी के तौर पर ऑफर की जाने वाली सोनेट की कुल बिक्री 10073 यूनिट्स रही है। इसके बाद 6536 यूनिट्स Kia Seltos और 5881 यूनिट्स Kia Carens की ग्राहकों ने खरीदी हैं। कंपनी की ओर से प्रीमियम सेगमेंट में ऑफर की जाने वाली इलेक्ट्रिक एसयूवी Kia EV6 को भी बीते महीने 33 ग्राहकों ने खरीदा है।

2600 से ज्यादा यूनिट्स का हुआ एक्सपोर्ट

अन्य कंपनियों के जैसे Kia भी भारत में कई वाहनों का उत्पादन करती है जिनको दुनिया के कई देशों में बिक्री के लिए एक्सपोर्ट किया जाता है। किआ से मिली जानकारी के मुताबिक बीते महीने के दौरान 2604 यूनिट्स को कई देशों में एक्सपोर्ट किया गया है।

पोर्टफोलियो में शामिल हैं ये गाड़ियां

Kia भारतीय बाजार में सबसे सस्ती गाड़ी के तौर पर Kia Sonet को ऑफर करती है। इसके बाद मिड साइज एसयूवी सेगमेंट में Kia Seltos को बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया जाता है। बजट एमपीवी सेगमेंट में Kia Carens और प्रीमियम ईवी के तौर पर Kia EV6 की बिक्री की जाती है।

व्हील एलाइनमेंट खराब होने पर कार देगी 5 संकेत, फिट रखने के लिए अपनाएं टिप्स

परिवहन विशेष न्यूज

व्हील बैलेंसिंग गाड़ी की स्टेबिलिटी और स्मूथ ड्राइविंग एक्सपीरियंस मिलता है। टायरों की सेफ्टी के लिए व्हील बैलेंसिंग करवाना जरूरी होता है। इसका कनेक्शन गाड़ी को सस्पेंशन से होता है। इससे कार के पहियों से कनेक्ट है। व्हील एलाइनमेंट की बात करें इसका काम टायरों को एडजस्ट करना है जिसकी वजह से गाड़ी सड़क पर आराम से चल सकें। आइए जानते हैं इसके बारे में।

नई दिल्ली। कार के व्हील एलाइनमेंट का सही होना आपके वाहन की सुरक्षा और स्मूथ ड्राइविंग के लिए जरूरी होती है। जब व्हील एलाइनमेंट खराब हो जाता है, तो कार की परफॉर्मेंस खराब होने के साथ ही सेफ्टी पर असर पड़ता है। इससे हादसों की आशंका बढ़ जाती है। हम यहां पर आपको बता रहे हैं कि व्हील एलाइनमेंट खराब होने पर कार से किस तरह के संकेत देती है?

1. स्टीयरिंग व्हील में होती है वाइब्रेशन

अगर स्टीयरिंग व्हील में आपको वाइब्रेशन महसूस होता है, तो यह संकेत होता है कि व्हील एलाइनमेंट खराब हो सकता है। इस दौरान गाड़ी सीधी चलते समय भी स्टीयरिंग व्हील हिलता रहता है, जिससे ड्राइविंग असुविधाजनक और आपके लिए खतरनाक हो सकती है।

2. टायर ज्यादा घिसने लगे

गाड़ी का व्हील एलाइनमेंट खराब होने का सबसे सामान्य संकेत टायर का ज्यादा घिसाव होना है। अगर आपके कार के एक तरफ का टायर दूसरे से ज्यादा घिसने लगे, तो इसका मतलब है कि आपके वाहन का एलाइनमेंट ठीक नहीं है। व्हील एलाइनमेंट का सही नहीं होने से टायर की लाइफ कम होने के साथ ही अचानक टायर फटने का जोखिम भी रखता है।

3. कार सीधा नहीं चलना

अगर आपकी कार सीधी लाइन में नहीं चल रही है और वह सिर्फ एक तरफ खींच रही है, तो यह संकेत है कि व्हील एलाइनमेंट खराब है। ड्राइवर को लगातार स्टीयरिंग व्हील को सही दिशा में मोड़ना पड़ता है, जिससे आपकी गाड़ी सीधी चल सकें। व्हील एलाइनमेंट खराब होने पर अगर आप लंबी दूरी का सफर करते हैं, तो आपको थकान हो सकती है।

4. गाड़ी में अचानक शोर आने लगना

अगर गाड़ी के चलने पर टायर से या स्टीयरिंग से तेज आवाज आने लगे तो यह भी एक संकेत हो सकता है कि आपकी गाड़ी का व्हील एलाइनमेंट ठीक नहीं है। इन आवाजों को नजरअंदाज करना आपके लिए महंगा साबित हो सकता है। इसके वजह से टायर और सस्पेंशन के दूसरे हिस्से को नुकसान पहुंच सकते हैं।

5. फ्यूल एफिशिएंसी में कमी आना

गाड़ी का व्हील एलाइनमेंट खराब होने से टायर सही तरीके से घुमते नहीं है। इसकी वजह से इंजन को अधिक मेहनत करनी पड़ती है। इस वजह से फ्यूल की खपत बढ़ जाती है और कार की माइलेज में कमी आती है। अगर आपकी कार का माइलेज अचानक कम हो जाती है, तो आपको व्हील एलाइनमेंट की जांच करवाना चाहिए।

8000 रुपये सस्ता और दमदार रेंज वाला नया इलेक्ट्रिक स्कूटर

परिवहन विशेष न्यूज

बजाज ऑटो ने बाजार में चेतक इलेक्ट्रिक स्कूटर का नया वेरिएंट पेश किया है। यह बजाज चेतक का नया वेरिएंट- ब्लू 3202 है। इस स्कूटर की खास बात यह है कि यह मॉडल पिछले वेरिएंट के मुकाबले सस्ता है और वेरिएंट के मुकाबले ज्यादा रेंज भी देता है। कंपनी का दावा है कि यह इलेक्ट्रिक स्कूटर सिंगल चार्ज में 137 किलोमीटर की रेंज देने में सक्षम है।

बजाज ऑटो ने चेतक ब्लू 3202 वैरिएंट के साथ बाजार में एक नया इलेक्ट्रिक स्कूटर पेश किया है। इस बजाज चेतक इलेक्ट्रिक स्कूटर की एक्स-शोरूम कीमत 1.15 लाख रुपये रखी गई है। चेतक ब्लू 3202 की कीमत इसके अर्बन वेरिएंट से 8 हजार रुपये कम है। जबकि इसके प्रीमियम वेरिएंट की एक्स-शोरूम कीमत 1.48 लाख रुपये है। अन्य स्कूटरों की तरह, बजाज का यह स्कूटर भी अतिरिक्त कीमत पर TecPac के साथ आता है। इसे स्कूटर के साथ खरीदने पर आपको ईवी वाले ज्यादा फीचर्स मिलते हैं।

नया चेतक ब्लू 3202 घोड़े की नाल के आकार के एलईडी डीआरएल के साथ प्रामाणिक स्पोर्टिंग एलईडी हेडलैंप के साथ आता है। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर में कनेक्टिविटी फीचर्स भी दिए गए हैं। इस ईवी में टीएफटी इंस्ट्रूमेंट कंसोल, यूएसबी चार्जिंग पोर्ट जैसे कई और फीचर्स भी शामिल हैं। इस चेतक स्कूटर की रेंज बढ़ाने के लिए स्पोर्ट और क्रॉल मोड के साथ इको मोड भी जोड़ा गया है।

बजाज चेतक ब्लू 3202 बाजार में इलेक्ट्रिक स्कूटरों को टक्कर देने के लिए आ गया है। यह ईवी भारतीय बाजार में पहले से मौजूद एथर रिज्टा, ओला एस1 एयर और टीवीएस आईक्यूब जैसे इलेक्ट्रिक स्कूटरों को टक्कर देती है। बाजार में इन स्कूटरों की बिक्री काफी प्रतिस्पर्धी हो सकती है।

बजाज ऑटो ने इस इलेक्ट्रिक स्कूटर के लिए बुकिंग लेना भी शुरू कर दिया है। इस ईवी को केवल 2000 रुपये की टोकन राशि के साथ बुक किया जा सकता है। यह स्कूटर बाजार में चार कलर वेरिएंट में उपलब्ध है। इनमें ब्रुकलिन ब्लैक, साइबर व्हाइट, इंडिगो मेटालिक और मैट कोर्स ग्रे शामिल हैं।

दुविधा में केंद्र, राजनीतिक दल और मुख्यमंत्री

पी चिदंबरम

कर्मचारियों के पास एक सशक्त तर्क है कि पैंशन लंबी और निष्ठावान सेवा के माध्यम से अर्जित अधिकार है और पैंशन एक आस्थगित वेतन है; या पैंशन सेवानिवृत्ति के बाद सम्मान के साथ जीवन जीने के अधिकार का मार्ग है। सरकारी कर्मचारियों के मामले में, 'पैंशन के अधिकार' ने तर्क जीता और यह सही फैसला था।

केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी समेत राजनीतिक दल और मुख्यमंत्री खुद को दुविधा की स्थिति में पाते हैं। ऐसा पैंशन के सवाल पर हो रहा है। भारत के एक निश्चित आयु के सभी नागरिकों को पैंशन नहीं मिलती। भारत में कोई भी सामाजिक सुरक्षा योजना नहीं है जो किसी नागरिक को पैंशन प्रदान करती हो। निजी क्षेत्र में कार्यरत लाखों लोगों को सेवानिवृत्ति पर पैंशन नहीं मिलती। यहां तक कि भारतीय रक्षा बलों में शॉर्ट सर्विस कमीशन अधिकारियों को भी पैंशन नहीं मिलती।

पैंशन ने तर्क जीता : जब तक जीवन प्रत्याशा कम थी, पैंशन का कोई महत्व नहीं था। कुछ लोगों को पैंशन मिलती थी, लेकिन सेवानिवृत्ति के बाद बहुत कम लोग लंबे समय तक जीवित रहते थे। 1947 में, जब भारत स्वतंत्र हुआ, तो जीवन प्रत्याशा 35 वर्ष से कम थी। आज, यह 70 वर्ष से थोड़ा अधिक है।पैंशन की बाध्यता, औसतन, सेवानिवृत्ति के बाद 10-12 वर्षों तक बनी रहेगी और यदि पारिवारिक पैंशन की अवधारणा है, तो यह जीवनसाथी को भी जारी रह सकती है। यही कारण है कि अधिकांश नियोक्ता पैंशन से सावधान रहते हैं।

कर्मचारियों के पास एक सशक्त तर्क है कि पैंशन लंबी और निष्ठावान सेवा के माध्यम से अर्जित अधिकार है और पैंशन एक आस्थगित वेतन है; या पैंशन सेवानिवृत्ति के बाद सम्मान के साथ जीवन जीने के अधिकार का मार्ग है। सरकारी कर्मचारियों के मामले में, 'पैंशन के अधिकार' ने तर्क जीता और यह सही फैसला था। जो लोग उन वर्गों की ओर इशारा करते थे जिन्हें पैंशन का अधिकार नहीं है, उनके लिए जवाब था कि पैंशन का अधिकार उन तक भी पहुंचाया जाना चाहिए। वास्तव में, सभी वर्गों के लोगों के लिए एक सार्वभौमिक पैंशन योजना होनी चाहिए। जैसे-जैसे सरकारी कर्मचारियों के लिए पैंशन की शुरूआत हुई, एक सुनिश्चित न्यूनतम पैंशन की अवधारणा ने भी जड़ें जमा लीं। यह अवधारणा अंतिम प्राप्त मूल वेतन और महंगाई भत्ते के 50 प्रतिशत पर आ गई।

बदली हुई गतिशीलता : जब जनवरी 2004 में नई पैंशन योजना (एन.पी.एस.) ने पुरानी पैंशन योजना (ओ.पी.एस.) की जगह ली, तो इसने पैंशन के 2 स्तंभों को हिला दिया। इसने गैर-अंशदायी परिभाषित लाभ योजना को एक परिभाषित अंशदायी योजना में बदल दिया और इसने न्यूनतम पैंशन की अवधारणा को चुपचाप त्याग दिया। विरोध शुरू हो गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री ए.बी. वाजपेयी ने झुकना स्वीकार नहीं किया और उनके उत्तराधिकारी डा. मनमोहन सिंह ने भी 10 साल तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इसी तरह, नरेंद्र मोदी ने 10 साल तक जमीन नहीं छोड़ी, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनावों में फैसले ने पूरी तरह से गतिशीलता बदल दी है।

3 अगस्त, 2022 को पी.आई.बी. की एक विज्ञप्ति के अनुसार, केंद्र सरकार के पैंशनभोगियों की कुल संख्या 69,76,240 थी। 2024-25 में पैंशन पर बजटीय व्यय 2,43,296 करोड़ रुपए है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मार्च 2023 तक, एन.पी.एस. में 23.8 लाख केंद्र सरकार के ग्राहक और 60.7 लाख राज्य सरकार के ग्राहक थे। 2024 में, संख्या थोड़ी अधिक या थोड़ी कम हो सकती है, लेकिन हम अनुमानित आंकड़े जानते हैं।

यह भारत की आबादी का एक अंश है। एक अनियोजित पैंशन योजना जो कि ओ.पी.एस. थी, अर्थव्यवस्था को वित्तीय रूप से बर्बाद कर देगी। सरकारें मौजूदा राजस्व से 'भुगतान नहीं कर सकतीं'। किसी को इस योजना को निधि देनी होगी।यह या तो सरकार या कर्मचारी या दोनों हो सकते हैं। एन.पी.एस. एक ऐसी योजना थी जिसे सरकार (14 प्रतिशत) और कर्मचारी (10 प्रतिशत) दोनों द्वारा वित्तपोषित किया गया था। 'वित्तपोषण' एक अच्छा अर्थशास्त्र है।

सरकार द्वारा घोषित एकीकृत पैंशन योजना (यू.पी.एस.) एक ऐसी योजना है जिसे सरकार (18.5 प्रतिशत) और कर्मचारी (10 प्रतिशत) द्वारा वित्तपोषित किया जाता है। यू.पी.एस. ने कम से कम 25 साल की सेवा पूरी करने वालों के लिए सेवानिवृत्ति से पहले के 12 महीनों में प्राप्त औसत मूल वेतन के 50 प्रतिशत के बराबर न्यूनतम पैंशन की भी गारंटी दी है। न्यूनतम 10,000 रुपए प्रति माह की पैंशन जो मुद्रास्फीति के लिए समायोजित की जाएगी, का आश्वासन दिया गया है। विस्तृत जानकारी का इंतजार है।

लेखन के समय, अधिकांश राज्य सरकारों ने यू.पी.एस. पर कोई टिप्पणी नहीं की है। कांग्रेस सहित प्रमुख राजनीतिक दल यू.पी.एस. पर विचार-विमर्श कर रहे हैं। हालांकि, केंद्र सरकार के कर्मचारियों के कई संघों और कई केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने पैंशन फंड में कर्मचारी के योगदान का विरोध किया है।

वित्तपोषण, कौन और कैसे ?

यह सरकारों ,राजनीतिक दलों और कर्मचारी संघों के लिए एक बड़ी दुविधा है। विशुद्ध रूप से वित्तीय रूप से जागरूक दृष्टिकोण से कहें तो यू.पी.एस. को तुरंत खारिज नहीं किया जाना चाहिए। हालांकि, कुछ सवाल बने हुए हैं :

क्या कर्मचारी के योगदान और सरकार के योगदान, जो अभी 8.5 प्रतिशत है, के बीच का अंतर भविष्य में और बढ़ जाएगा ?

टी. वी. सोमनाथन ने कहा कि 'सरकार इस कमी को पूरा करेगी'। क्या यह 'भुगतान के रूप में भुगतान' से एक कदम दूर नहीं है ?

जबकि योगदान का 10+10 प्रतिशत स्वीकृत पैंशन फंड प्रबंधकों को सौंपा जाएगा, क्या 8.5 प्रतिशत योगदान का निवेश किया जाएगा और यदि किया जाएगा, तो किसके द्वारा और कहां ?

पहले वर्ष के लिए 6,250 करोड़ रुपए की अतिरिक्त धनराशि कम बताई गई प्रतीत होती है; क्या यह सच है ?

क्या यू.पी.एस. को कैबिनेट द्वारा मंजूरी दिए जाने से पहले राज्य सरकारों से परामर्श किया गया था ? क्या कर्मचारी संघ इसमें शामिल होंगे ?

आइए देखें कि हितधारक इस दुविधा से कैसे बाहर निकलते हैं। -पी. चिदम्बरम

संपादक की कलम से

'भारत विरोधी गतिविधियों के बीच पाक का'
'प्रधानमंत्री मोदी को सहयोग सम्मेलन के लिए निमंत्रण'

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 15-16 अक्तूबर को इस्लामाबाद में होने वाले 'शंघाई सहयोग संगठन' (एस.सी.ओ.) की बैठक में भाग लेने के लिए निमंत्रण भेजा है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 15-16 अक्तूबर को इस्लामाबाद में होने वाले 'शंघाई सहयोग संगठन' (एस.सी.ओ.) की बैठक में भाग लेने के लिए निमंत्रण भेजा है। चूंकि भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण संबंधों का एक लम्बा इतिहास रहा है, इसलिए भारत सरकार ने अभी इस पर निर्णय नहीं लिया है। भारत कहता रहा है कि वह पाकिस्तान के साथ सामान्य की तरह संबंध चाहता है परंतु पाकिस्तान का आचरण इसके विपरीत है।

वास्तव में अस्तित्व में आने के समय से ही भारत के विरुद्ध तीन-तीन युद्ध लड़ कर मुंह की खा चुके पाकिस्तान के शासकों ने अभी भी अपनी भारत विरोधी गतिविधियां बंद नहीं की हैं। अपने पाले हुए आतंकवादियों के जरिए पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियां जारी रखने के साथ-साथ भारत की अर्थव्यवस्था को तबाह करने के लिए जाली करंसी, युवाओं को तबाह करने के लिए हैरोइन जैसे नशे और रक्तपात के लिए तस्करी द्वारा हथियार भेजने का सिलसिला जारी रखा हुआ है जो हाल ही की निम्न घटनाओं से स्पष्ट है :

23 मई को फाजिल्का पुलिस ने एक अंतर्राष्ट्रीय नशा तस्कर गिरोह का पर्दाफाश करके 7 लोगों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 5 किलो 470 ग्राम हैरोइन के अलावा ड्रग मनी, सोना-चांदी, 6 मोबाइल और 40 कारतूस बरामद किए।

28 जून को पंजाब में छहर्टा की पुलिस टीम ने पाकिस्तान आधारित तस्करों द्वारा सीमा पार से चलाए जा रहे नशा तस्कर गिरोह के 2 सदस्यों को गिरफ्तार करके उनके कब्जे से 8.2 किलो हैरोइन के अलावा 95000 रुपए ड्रग मनी, वजन तौलने वाली एक इलैक्ट्रॉनिक मशीन व स्विफ्ट कार बरामद की।

एक अन्य मामले में अमृतसर पुलिस ने एक तस्कर को गिरफ्तार करके उससे 1 किलो हैरोइन बरामद की। अधिकारियों के अनुसार तस्कर पाकिस्तान स्थित तस्करों के सीधे संपर्क में था और ड्रोन द्वारा वहां से नशा मंगवा कर पूरे राज्य में सप्लाई कर रहा था।

और अब 28 अगस्त को तरनतारन पुलिस ने केंद्रीय एजैंसियों के साथ संयुक्त अभियान में पाक समर्थित हथियार तस्करी माड्यूल का भंडाफोड़ करके तरनतारन के सेरों इलाके से 2 गुर्गों को गिरफ्तार करके 4 अत्याधुनिक 'ग्लाक' पिस्तौलें, 4 मैगजीन, 7 जिंदा कारतूस और 4.8 लाख रुपए की हवाला मनी जब्त की। जब्त किए गए पिस्तौलों में से एक पर 'मेड फार नाटो आर्मी' लिखा हुआ था।

हाल ही की एक रिपोर्ट में बताया गया कि पाकिस्तान की सेना तथा रेंजरों ने पाक अधिकृत कश्मीर में 24 से अधिक लांङ्कचग पैडों पर बड़ी संख्या में आतंकवादी इकट्ठे कर रखे हैं जिनकी भारत में घुसपैठ करवाने की कोशिशें की जा रही हैं। पाकिस्तान की सेना ने लांच पैड के निकट बनाए बंकरों में आतंकवादियों को छुपा रखा है ताकि भारतीय सेना की नजर उन पर न पड़े।

पाकिस्तान की आई.एस.आई. व सेना घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों को चीन निर्मित पिस्टल, ग्रेनेड और नाइटविजन उपकरण देकर भारत भेज रही है। उन्हें पाकिस्तानी सेना द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले एम-4 जैसे महंगे हथियार व ककवच भेदने वाली गोलियां भी उपलब्ध करवाई जा रही हैं।

आतंकवादियों को 'डिजीटल मैपशीट' और ' सिस्टम' से भी लैस किया जा रहा है। उन्हें 'हाईली एन्क्रिप्टेड' संचार उपकरण दिए जा रहे हैं ताकि भारतीय एजैंसियां उनके संदेशों को डिकोड न कर पाएं। घुसपैठियों को एक-एक, डेढ़-डेढ़ लाख रुपए नकद राशि के साथ घुसपैठ करवाई जाती है जबकि आतंकवादियों की सहायता करने वाले स्थानीय ओवर ग्राऊंड वर्करों अथवा गाइडों को 6 से 10 हजार रुपए दिए जाते हैं। इसके साथ ही चीनी ड्रोनों के जरिए पहले ही पंजाब, जम्मू और राजस्थान के रास्ते हथियार और नशा सप्लाई करना जारी है।

राय

दक्षिण अफ्रीका की गुलामी की दास्तान और वैभवशाली वर्तमान

अफ्रीका महाद्वीप के दक्षिण में स्थित देश दक्षिण अफ्रीका का भारत के लिए महत्व यह है कि बापू गांधी ने उसे कुछ समय के लिए अपनी कर्मभूमि बनाया था। अंग्रेजों के अभद्र व्यवहार, स्थानीय आबादी तथा रोजगार और व्यापार की तलाश में विदेशों से आए लोगों के साथ...

अफ्रीका महाद्वीप के दक्षिण में स्थित देश दक्षिण अफ्रीका का भारत के लिए महत्व यह है कि बापू गांधी ने उसे कुछ समय के लिए अपनी कर्मभूमि बनाया था। अंग्रेजों के अभद्र व्यवहार, स्थानीय आबादी तथा रोजगार और व्यापार की तलाश में विदेशों से आए लोगों के साथ भेदभाव और अत्याचार देखकर युवा गांधी ने गुलामी का अर्थ समझा। उसके बाद उनके राष्ट्रपिता बनने की कहानी सब जानते ही हैं।

दासता की पहचान : भारत की तरह ही दक्षिण अफ्रीका प्राकृतिक संपदा से संपन्न क्षेत्र है। यहां की जलवायु, वन, वन्यजीव और खनिज पदार्थ इसकी धरोहर हैं। केपटाऊन का नैसर्गिक सौंदर्य और जोहानसबर्ग में सोने की खान इसे वैभवशाली बनाते हैं। डच और अंग्रेज के लिए यह यहां बसने और दूसरों की दौलत से अमीर बनने का स्रोत था।

यहां का केपटाऊन शहर आधुनिकता का उदाहरण है। भवन निर्माण में अनेक स्थापत्य कलाएं प्रयुक्त की गई हैं। घर ऐसे हैं कि दूर से ही उनके सजे-संवरे होने का एहसास होता है। रंगों का इस्तेमाल मनमोहक और सुरुचिपूर्ण है। किसी घर को अंदर से देखने का तो अवसर नहीं मिला लेकिन बाहर से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि उनमें रहने का आनंद कैसा होता होगा। हैलीकॉप्टर से विहंगम प्राकृतिक दृश्यों को देखना सुखद अनुभूति था। नीचे फैली विशाल जलराशि और सामने पर्वत शृंखलाएं तथा नीचे शहरी बस्तियां अपनी अलग ही छटा से पूरे माहौल को मुग्ध भाव से देखते रहने के लिए लालायित कर रही थीं।

अर्थव्यवस्था : दक्षिण अफ्रीका की अर्थव्यवस्था जिन चीजों पर टिकी है, उनमें सब से पहले पर्यटन है। यहां अद्भुत नजारे हैं, पर्वत हैं और कुदरत ने उन्हें इस तरह बनाया और संवारा है कि एकटक निहारते रहो तो भी बोर नहीं होते। टेबल माऊंटेन जैसा स्थल शायद ही कहीं किसी अन्य देश में हो। वहां से शानदार प्राकृतिक सौंदर्य दिखाई देता है। मनोरंजन के लिए रिवर फ्रंट नामक स्थान बहुत लोकप्रिय है। इसी तरह समुद्र तट पर आप पूरा दिन बिता सकते हैं बशर्ते कि तेज हवाएं न चल रही हों। एक बात है, प्रकृति ने इस क्षेत्र को अनुपम सौंदर्य तो दिया ही है पर मनुष्य ने भी इसमें बहुत वृद्धि की है। यदि अपने देश से तुलना करें तो हमारे यहां प्रकृति ने जो उपहार दिए हैं, वे अनूठे और अतुलनीय तो हैं ही, साथ ही संसार में उनके समान इलाके तो हो सकते हैं लेकिन भारत की बराबरी नहीं कर सकते। कह सकते हैं कि दक्षिण अफ्रीका प्राकृतिक पूंजी की धरोहर के रूप में आनंदित और प्रफुल्लित कर देने वाला देश है।

यहां सन सिटी के रूप में मनुष्य द्वारा निर्मित एक विशाल नगर का निर्माण अनोखा और अपने किस्म का एकमात्र है। इसमें मनोरंजन के सभी आधुनिक और परंपरागत साधन उपलब्ध हैं। खानपान की सुविधाएं हैं और समुद्र तट को विभिन्न खेलों और जल क्रीड़ा के उपयुक्त बनाया गया है। सैलानी यहां आकर विश्राम करते हैं और तरोताजा होने के लिए समुद्री रेत का बिछावन बनाकर थकान उतार सकते हैं। निकट में ही सफारी पार्क है और वनों तथा वन्यजीवों के बीच जाने की सुविधा है। उसके लिए सुबह जल्दी जाना पड़ता है क्योंकि तभी जंगल में उन्हें देखा जा सकता है। दिन निकलते ही मनुष्य की भांति उनकी भी दैनिक क्रियाएं शुरू हो जाती हैं। जैसे-जैसे दिन चढ़ता है, वे भी अपने परिवार के साथ रहने के लिए बनी गुफाओं आदि में चले जाते हैं।

'कॉर्पोरेट' से ज्यादा 'आम नागरिकों' के पक्ष में हैं कमला हैरिस

यदि अमरीकी डैमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस कीमतों और कॉर्पोरेट नियंत्रण पर अपने साहसिक रुख को लागू करने में सफल होती हैं, तो वैश्विक आर्थिक परिदृश्य नाटकीय रूप से बदल सकता है।

यदि अमरीकी डैमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस कीमतों और कॉर्पोरेट नियंत्रण पर अपने साहसिक रुख को लागू करने में सफल होती हैं, तो वैश्विक आर्थिक परिदृश्य नाटकीय रूप से बदल सकता है। यह कदम दुनिया भर में हलचल मचा सकता है, जिससे भारत जैसे देशों को अपने मौजूदा आर्थिक मॉडल पर पुर्नविचार करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है, ठीक वैसे ही जैसे उन्होंने उदारीकरण के दौर में किया था जब कॉर्पोरेट शक्ति का बोलबाला था।

ऐसा लगता है कि ज्वार बदल रहा है क्योंकि दुनिया भर में लोग कीमतों को बढ़ाने वाली जोड़-तोड़ की रणनीति से मुक्ति की मांग कर रहे हैं। हैरिस का संदेश स्पष्ट है कि अमरीकी अब आसमान छूती लागतों को बर्दाश्त नहीं कर सकते। उनके आक्रामक, लोकलुभावन आर्थिक एजैंडे का उद्देश्य कॉर्पोरेट शक्ति पर लगाम लगाना और जीवन यापन की लागत को कम करना है, जो संभावित रूप से वैश्विक आर्थिक नीतियों के लिए एक नया मानक स्थापित करता है।

जुलाई में एक भव्य भारतीय कॉर्पोरेट विवाह के बाद एक 74 वर्षीय भारतीय ब्लॉगर ने एक्स पर कहा, ''अपने 74 वर्षों में, मैंने हाल ही में, २४३७ टैलीविजन पर प्रसारित होने वाली भव्यता से अधिक बेस्वाद, अहंकारी या दिखावटी शादी नहीं देखी या सुनी है।'' विकृति और उसका असली संकेत कहीं और है। ''यह पैसे के खर्च करने के तरीके में निहित है, ऐसे समय में जब औसत भारतीय आर्थिक रूप से कभी भी बदतर स्थिति में नहीं रहा है, जब असमानता और बेरोजगारी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई है।

जी.एस.टी. का 67 प्रतिशत हिस्सा देश के 50 प्रतिशत सबसे गरीब नागरिकों द्वारा भुगतान किया जाता है, हालांकि शीर्ष 1 प्रतिशत के पास देश की 40 प्रतिशत संपत्ति है, जबकि 800 मिलियन लोगों को जीवित रहने के लिए मुफ्त/सबसिडी वाले खाद्यान्न उपलब्ध कराए जाने हैं।''कमला हैरिस का सप्ताहांत भाषण बहुत अलग नहीं है। वह कहती हैं, ''हम जानते हैं कि कई अमरीकी अभी भी अपने जीवन में प्रगति महसूस नहीं करते हैं। लागत अभी भी बहुत अधिक है और आगे बढऩा बहुत कठिन लगता है।'' कोई आश्चर्य नहीं कि रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प उन्हें बहुत उदार कहते हैं। यह भारत में जून के लोकसभा चुनावों के दौरान मटन, मुस्लिम, मंदिर और मुजरा, महंगाई और बेरोजगारी की पंक्तियों के बीच गंभीर मूल्य वृद्धि और बेरोजगारी की प्रतिध्वनि के समान लगता है। हां, भारतीयों और अमरीकियों को भोजन, जीवन की न्यूनतम गुणवत्ता और संगठित उत्पीडऩ से मुक्ति की आवश्यकता है। निश्चित रूप से भारतीय अधिक चिंतित हैं क्योंकि विश्व अर्थव्यवस्था में किसी भी रैंक के साथ, वे अमरीका के आसपास भी नहीं हैं ।यदि अमरीकी अर्थव्यवस्था अच्छी स्थिति में नहीं है, तो भारतीय कोविड-19 के बाद अधिक से अधिक स्वस्थ हो सकते हैं। लेकिन भारत में दिग्गजों का शिकंजा अमरीका की तुलना में अधिक है, जहां बड़े लोगों के विरोध के बावजूद मजबूत एंटी-ट्रस्ट कानून हैं।

भारतीय नीतियां बड़ी दुकानों के लिए अधिक अनुकूल हैं, जिसमें राष्ट्रीय और शेयर बाजार नीतियों को तैयार करने सहित करों और अन्य लाभों में खरबों की छूट दी जाती है। इसके बजाय, यू.एस.ए. के उपराष्ट्रपति होने के बावजूद, हैरिस अमरीकी लोगों के साथ सहानुभूति रखते हुए कहती हैं, ''बिल बढ़ते हैं। भोजन, किराया, गैस, स्कूल जाने के लिए कपड़े, प्रिस्क्रिप्शन दवा सबके दाम बढ़े। उसके बाद, कई परिवारों के लिए, महीने के अंत में बहुत कुछ नहीं बचता है। राष्ट्रपति के रूप में, मैं उन उच्च लागतों को उठाऊंगी जो अधिकांश अमरीकियों के लिए सबसे अधिक मायने रखती हैं।''

ये शब्द कोई भी भारतीय मतदाता अपने नेताओं से सुनना पसंद करेगा। इसमें अमरीकियों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक दर्जन से ज़्यादा प्रस्ताव शामिल हैं। लोगों को 3 मिलियन नए आवास देने जैसे कुछ प्रस्ताव भारतीय राजनीतिक दलों के घोषणापत्रों से लिए गए हैं। भारत की प्रधानमंत्री आवास योजना की तरह, उन्होंने पहली बार घर खरीदने वाले 10 लाख लोगों को 25,000 डॉलर तक का डाऊन पेमैंट सपोर्ट देने का प्रस्ताव रखा है।

इसके अलावा, बिल्डरों के लिए कर प्रोत्साहन भी है, जो किफायती किराए के आवास बनाते हैं। यह अधिकांश भारतीयों के लिए एक स्वागत योग्य परिदृश्य हो सकता है। जैसा कि भारत में अब पूंजीगत लाभ कर सूचकांक या किराए पर बहस चल रही है, हैरिस कॉर्पोरेट मकान मालिकों को बड़े अंतर से किराया बढ़ाने के लिए एल्गोरिदमिक मूल्य-निर्धारण उपकरणों का उपयोग करने से रोकने के लिए उत्सुक हैं। यह धीरे-धीरे नोएडा, गुडग़ांव, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के द्वारका, बेंगलुरु और चेन्नई के क्षेत्रों में एक समस्या बन रही है। भारत ने अभी-अभी इसे महसूस करना शुरू किया है। चिकित्सा लागत और स्वास्थ्य बीमा धोखाधड़ी अमरीका में सबसे खराब है। कई भारतीय कंपनियों ने अब इसका अनुकरण किया है।

भारत और अमरीका में चिकित्सा व्यय बढ़ रहे हैं : दोनों देश इस पर गहन चर्चा कर रहे हैं और अक्सर यह कहते हुए बात समाप्त करते हैं कि यूनाइटेड किंगडम में सबसे अच्छी चिकित्सा सुविधाएं हैं। हैरिस लाखों अमरीकियों के लिए चिकित्सा ऋण को खत्म करने का वायदा करती हैं, संभवतः संघीय निधियों का उपयोग स्वास्थ्य प्रदाताओं से बकाया ऋण खरीदने और माफ करने के लिए वह अमरीकियों के पर्चे की दवाओं पर सालाना जेब से खर्च को $2,000 तक सीमित करना चाहती हैं।

हजारों किलोमीटर दूर स्थितियों में इतना अंतर यह है कि भारत अमरीका की बीमा संबंधी गलतियों को दोहराना चाहता है और वे इसे बदलने की कोशिश कर रहे हैं।

हालांकि पी.एम. जन औषधि जैसे कुछ मामलों में, भारत कम कीमतों पर जैनेरिक दवाइयां उपलब्ध कराने में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। हैरिस के पास यह विकल्प नहीं है और उनका कहना है कि इंसुलिन की जेब से होने वाली लागत को सभी के लिए 35 डॉलर प्रति माह तक सीमित किया जाएगा। जैसा कि भारत में किसानों को प्रत्यक्ष लाभ पैंशन दी जाती है, हैरिस एक बाल कर क्रैडिट देंगी जो बच्चे के जीवन के पहले वर्ष के लिए परिवारों को प्रति बच्चे 6,000 डालर प्रदान करेगा। विभिन्न तरीकों से प्रत्यक्ष लाभ या पैंशन के रूप में पेश की गई भारतीय बजटीय नवीनताओं ने हैरिस को आकर्षित किया है।

कमला हैरिस के प्रत्येक प्रस्ताव, चाहे वह भोजन, दवा, आवास या बाल देखभाल के संदर्भ में हों, 'लोकलुभावन' हैं, जिसमें उपभोक्ताओं की ओर से कॉर्पोरेट हितों के खिलाफ सरकारी हस्तक्षेप शामिल है। बड़ी कंपनियों के राज के बावजूद, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष समाजवाद विश्व राजनीति में वापस आ रहा है। हैरिस जो कुछ भी करती हैं, उससे हलचल मच सकती है, लेकिन भारत जैसे देश, जो अगले वैश्विक नेता होने का दावा करते हैं, उन्हें गरीबों, किसानों और मजदूर वर्ग की सुरक्षा के लिए अधिक सावधानी से काम करना होगा।

रंगीन मिजाज था मोहम्मद शाह रंगीला

मुगलिया सल्तनत के चश्मो चिराग और शाहजहां के लखते जिगर बड़े अजीबो-गरीब मिजाज और हैरतअंगेज हरकतें करने वाला बादशाह मोहम्मद शाह रंगीला हुआ है।

मुगलिया सल्तनत के चश्मो चिराग और शाहजहां के लखते जिगर बड़े अजीबो-गरीब मिजाज और हैरतअंगेज हरकतें करने वाला बादशाह मोहम्मद शाह रंगीला हुआ है। उसका पूरा नाम अबु-अल-फतह रोशन अख्तर नसीरुद्दीन मोहम्मद शाह था। हुस्नों जमाल, ऐशो इशरत और शराब नोशी के कारण उसे रंगीला कहा जाने लगा। हवस परस्ती में उसका कोई सानी न था। वह एक खूबसूरत नौजवान था। सैयद बंधुओं ने उसे 17 वर्ष की आयु में तख्ते ताऊस पर बैठा दिया।

वह न ही दीनी और न ही दुनियावी इलम से वाकिफ था। न ही उसे कोई प्रशासन का तजुर्बा था। 1722 तक उसने अपने पर अंकुश लगाने वाले सैयद भाइयों से छुटकारा पा लिया और पूरी तरह एक निरंकुश बादशाह बन गया। गद्दीनशीन होते ही उसने हुक्म जारी किया कि देश की सभी हुस्न बानों पर केवल बादशाह का अधिकार है। लोगों ने अपनी बहू-बेटियों को सुरक्षित रखने के लिए बुर्के पहनवा दिए। यहां तक कि घर में भी महिलाएं बुर्के में रहने लगीं। लोग अपनी खूबसूरत बेटियों को छिपा-छिपा कर रखने लगे। वह घाघरा, चोली और पांव में घुंघरू डाल कर दरबार में नाचने वाला तथा तख्त पर बैठने वाला पहला और आखिरी मुगल बादशाह था।

एक रोज वह अल्फ नंगा होकर दरबार में आ गया। सभी लोग आश्चर्य में पड़ गए पर बेबस वजीर कुछ न बोल सके। कई बार वह हुक्म देता कि जेल में बंद सब कैदियों को रिहा कर दिया जाए और फिर कुछ दिनों के बाद नया हुक्म जारी करता कि जितने कैदियों को छोड़ा गया है उतने ही लोगों को पकड़कर जेल में डाल दिया जाए। उसने अपने शाही घोड़े को दरबारे खास में लाकर मंत्री की उपाधि से सुसज्जित कर दिया और हुक्म दिया कि घोड़े की हुक्म हदूली करने वाले को सख्त सजा दी जाएगी। मंत्रियों को गिरगिट के रंग बदलने से पहले ही बदल देता था।

एक बार वह अपने साथ नाचिया, गोलिया, लोडिया, बाधिया और तवायफों को साथ लेकर दरबार में आ गया और उनके साथ बैठकर हुक्म जारी करने लगा। वह 24 घंटे शराब के नशे में धुत्त रहता था यहां तक कि वुजु भी शराब से ही करता था। वह रोजमर्रा बटेरों और हाथियों की लड़ाई देखता, फरियादियों की फरियाद सुनता, बाजीगरों, नट, नकलचियों के जुमलों से आनंद उठाता। वजीर और उलेमा उसकी इन असभ्य हरकतों को देखने के सिवा कर भी क्या सकते थे क्योंकि वह सब उनके वेतनधारी थे।

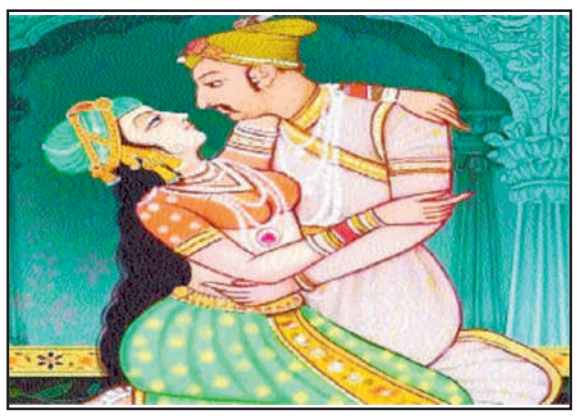

कमियों, कमजोरियों और बदगुमानियों के बावजूद उसने औरंगजेबी इस्लामिक कट्टरवाद को तिलांजलि देकर नए युग का आगाज किया। उसने शाही दरबार में फारसी के स्थान पर उर्दू भाषा का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया और धीरे-धीरे उर्दू लश्करी भाषा से जनसाधारण की भाषा बन गई और इस भाषा के बड़े-बड़े प्रसिद्ध शायर भी हुए। उसने नृत्य, संगीत, चित्रकला और साहित्य को भी प्रफुल्लित किया। उसके दरबार में अदारंग और सदारंग बड़े नामवर संगीतकार थे।

निदामन और चित्रमन नामवर चित्रकार भी थे। तुर्कश लिबास को त्याग कर शेरवानी, चूड़ीदार पाजामा और सिर पर टोपी पहनने की एक नई संस्कृति की शुरूआत हुई और आज भी भारत के कई नेता इस लिबास में नजर आते हैं। उसकी बेवकूफियों के कारण बंगाल, अवध, दक्षिण, पंजाब और काबुल मुगलों के हाथ से निकल गए। इन परिस्थितियों का फायदा उठाते हुए नादिरशाह ने 1739 में भारत पर चढ़ाई कर दी। उसका मुकाबला करने के लिए मोहम्मद शाह रंगीला अपने साथ फौज के साथ-साथ बावरचियों, संगीतकारों, कुलियों सेवकों, कर्मचारियों, नर्तकियों, नकलचियों तथा अन्य लोगों को ले गया और करनाल के नजदीक पता लगा कि बड़ी तोपें लाल किले में ही रह गईं।

करनाल की लड़ाई में नादिरशाह जीत गया और उसने दिल्ली पर कब्जा कर लिया। नादिरशाह ने दिल्ली में इतना कत्लेआम किया कि कई स्थानों पर लाशों के ढेर लग गए। नादिरशाह ने तख्ते ताऊस, कोहिनूर, दरिया नूर हीरे-मोती और मुगल बादशाहों द्वारा करीब 200 वर्षों से इकट्ठा किया गया धन तथा 55 हजार हाथी, घोड़े, गधे, पशु, माल से लदी हुई बैल गाडियां हजारों भारतीय महिलाओं को अपने साथ ले गया।हरियाणा में थानेसर के पास जस्सा सिंह आहलूवालिया, जस्सा सिंह रामगढिया और बाबा बघेल सिंह ने उसे लूट लिया और काफी महिलाओं को छुड़ाकर इज्जत से उनको अपने-अपने घरों में पहुंचाया। यह पूरी लूट 72 करोड़ रुपए की थी परंतु इससे दिल्ली आर्थिक तौर पर पूरी तरह हिल गई।

आज भारत में कई भ्रष्टाचारी नेता नादिरशाह के भी बाप हैं। जिन्होंने सरकार और लोगों को लूटकर अरबों रुपयों की सम्पत्ति खड़ी की है। भारतीय पहले इन बेमुरव्वत बादशाहों को बर्दाश्त करते रहे और अब भ्रष्टाचारियों, बलात्कारियों और असामाजिक तत्वों को बर्दाश्त कर रहे हैं। राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए इन तत्वों से निजात पाना अति जरूरी है। -*प्रो. दरबारी लाल*

विस्तारा 11 नवंबर को भरेगी अंतिम उड़ान इस दिन से बंद होने जा रही एयरलाइन की बुकिंग

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। विमानन कंपनी विस्तारा अपने ब्रांड के तहत 11 नवंबर को अंतिम उड़ान का परिचालन करेगी। एयर इंडिया 12 नवंबर 2024 से परिचालन संभालेगी। सरकार ने एयर इंडिया-विस्तारा विलय के हिस्से के रूप में सिंगापुर एयरलाइंस द्वारा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) को अपनी मंजूरी दे दी है। विस्तारा, टाटा समूह और सिंगापुर एयरलाइंस का संयुक्त उद्यम है। एयर इंडिया का स्वामित्व टाटा समूह के पास है।

विस्तारा की उड़ान की बुकिंग नहीं कर पाएंगे

विस्तारा की ओर से शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ''तीन सितंबर 2024 से ग्राहक 12 नवंबर 2024 या उसके बाद की यात्रा के लिए विस्तारा की उड़ान की बुकिंग नहीं कर पाएंगे।'' इसके बाद, विस्तारा विमानों का परिचालन एयर इंडिया द्वारा किया जाएगा और इन विमानों द्वारा संचालित मार्गों के लिए बुकिंग एयर इंडिया की वेबसाइट पर पुनः निर्देशित की जाएगी।

सिंगापुर एयरलाइंस की एयर इंडिया में 25.1% हिस्सेदारी

विज्ञप्ति में कहा, ''विस्तारा 11 नवंबर 2024 तक के लिए सामान्य रूप से बुकिंग लेना और उड़ानें संचालित करना जारी रखेगी।'' विस्तारा के एयर इंडिया के साथ प्रस्तावित विलय की घोषणा नवंबर 2022 में की गई थी। इस विलय के बाद सिंगापुर एयरलाइंस की एयर इंडिया में 25.1 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी।

11 साल की उम्र में खरीदा पहला शेयर, आज बफे की कंपनी का शेयर दुनिया का सबसे महंगा स्टॉक

11 साल की उम्र में खरीदा पहला शेयर, आज बफे की कंपनी का शेयर दुनिया का सबसे महंगा स्टॉक

विस्तारा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विनोद कन्नन ने कहा कि इस विलय का मकसद यात्रियों को अधिक विकल्प मुहैया करना है, जिसमें बड़ा बेड़ा तथा व्यापक नेटवर्क शामिल है। साथ ही इससे समग्र यात्रा अनुभव बेहतर बनेगा।

एयर इंडिया के सीईओ एवं प्रबंध निदेशक कैम्पबेल विल्सन ने कहा, ''एयर इंडिया और विस्तारा के 'क्रॉस-फंक्शनल' दल कई महीनों से एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं ताकि विमान, उड़ान चालक दल और अन्य (ग्राउंड) सहकर्मियों और सबसे महत्वपूर्ण रूप से हमारे मूल्यवान ग्राहकों का नए एयर इंडिया में स्थानांतरण यथासंभव सहज हो सके।''

भारतीय शेयर बाजार में कम हुआ FPI निवेश, अगस्त में निवेशकों ने डाले 7,320 करोड़

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPIs) ने अगस्त महीने में काफी सतर्क रुख अपनाया है। इस महीने घरेलू शेयर बाजार में केवल 7320 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड के रिपोर्ट के मुताबिक यह निवेश जुलाई में 32365 करोड़ रुपये और जून में 26565 करोड़ रुपये से काफी कम है। वहीं विपुल भोवार ने इसको लेकर कहा कि सितंबर में एफपीआई की घरेलू बाजार में रुचि रहेगी।

नईदिल्ली, घरेलू इक्विटी बाजारों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPI) के निवेश में उतार-चढ़ाव रहा है और अंत में एफपीआई शुद्ध खरीदार बनकर उभरे हैं। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के डाटा के अनुसार, अगस्त में एफपीआई ने 7,320 करोड़ रुपये का शुद्ध रूप से निवेश किया है। यह बीते तीन महीनों में सबसे कम निवेश है। FPI ने जुलाई में 32,365 करोड़ रुपये और जून में 26,565 करोड़ रुपये का शुद्ध रूप से निवेश किया था।

सितंबर में जारी रह सकता है FPI का निवेश

वाटरफील्ड एडवाइजर्स के विपुल भोवार का कहना है कि सितंबर में एफपीआई का निवेश जारी रह सकता है। हालांकि निवेश का आकार घरेलू राजनीतिक स्थिरता, आर्थिक संकेतकों, वैश्विक स्तर पर ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव, बाजार मूल्यांकन, क्षेत्रीय प्राथमिकताएं और ऋण बाजार के आकर्षण पर निर्भर करेगा। दूसरी ओर, डेट बाजारों में अगस्त के दौरान एफपीआइ निवेश 17,960 करोड़ रुपये रहा है। इसके साथ कैलेंडर वर्ष 2024 में डेट बाजारों में कुल एफपीआइ निवेश 1,08,948 करोड़ रुपये हो गया है। इक्विटी में कुल एफपीआइ निवेश 42,886 करोड़ रुपये हो गया है।

आठ कंपनियों का पूंजीकरण 1.53 लाख करोड़ रुपये बढ़ा

बीते सप्ताह बीएसई में सूचीबद्ध शीर्ष-10 में से आठ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण 1.53 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इस दौरान भारती एयरटेल के पूंजीकरण में सबसे ज्यादा 47,194 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। इसके अलावा इन्फोसिस, टीसीएस, आइसीआइसीआइ बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, एलआइसी और एसबीआइ का पूंजीकरण भी बढ़ा है। दूसरी ओर, एचयूएल और आइटीसी का पूंजीकरण घटा है।

नकदी संकट से जूझ रही स्पाइसजेट, 150 केबिन क्रू को तीन महीने की छुट्टी पर भेजा

नकदी संकट से जूझ रही विमानन कंपनी स्पाइसजेट (SpiceJet) ने 150 केबिन क्रू सदस्यों को अस्थायी रूप से तीन महीने के लिए छुट्टी पर भेजने का निर्णय लिया है। यह फैसला 'कम यात्रा सीजन और कम हुए बेड़े के आकार' के कारण लिया गया है। एयरलाइन ने इस फैसले को...

नकदी संकट से जूझ रही विमानन कंपनी स्पाइसजेट ने 150 केबिन क्रू सदस्यों को अस्थायी रूप से तीन महीने के लिए छुट्टी पर भेजने का निर्णय लिया है। यह फैसला 'कम यात्रा सीजन और कम हुए बेड़े के आकार' के कारण लिया गया है। एयरलाइन ने इस फैसले को संगठन की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए उठाया है, ताकि आर्थिक संकट से उबरने में मदद मिल सके।

वेतन देने में कठिनाई

सूत्रों के अनुसार, स्पाइसजेट पिछले छह साल से घाटे में चल रही है और वर्तमान में अपने कर्मचारियों को वेतन देने में मुश्किलों का सामना कर रही है।

कानूनी विवाद

स्पाइसजेट विमान पट्टेदारों, इंजन पट्टेदारों, ऋणदाताओं और पूर्व प्रमोटर कलानिधि मारन के बकाया भुगतान को लेकर कानूनी विवादों में उलझी हुई है।

स्वास्थ्य लाभ और अर्जित छुट्टियां बरकरार

केबिन क्रू सदस्यों को छुट्टी पर रखने के बावजूद, उन्हें सभी स्वास्थ्य लाभ और अर्जित छुट्टियां मिलती रहेंगी और वे स्पाइसजेट के कर्मचारी बने रहेंगे। स्पाइसजेट ने घोषणा की है कि वह आगामी क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (QIP) के बाद अपने बेड़े का विस्तार करेगी और केबिन क्रू सदस्यों को एक्टिव ड्यूटी पर वापस बुलाएगी।

भारत में डिजिटल कनेक्टिविटी में होगा सुधार, तीन बड़े अंडरसी केबल प्रोजेक्ट्स जल्द होंगे शुरू

भारत में डिजिटल कनेक्टिविटी में होगा सुधार, तीन बड़े अंडरसी केबल प्रोजेक्ट्स जल्द होंगे शुरू

फंड जुटाने की प्रक्रिया

पिछले महीने, स्पाइसजेट ने QIP के जरिए 3,000 करोड़ रुपये जुटाने की प्रक्रिया शुरू की थी, जिसके सितंबर के अंत तक पूरा होने की उम्मीद थी। 2024 की शुरुआत में, एयरलाइन ने 2,241 करोड़ रुपए जुटाने के लिए इक्विटी और वारंट जारी करने को मंजूरी दी थी, जिसमें से केवल 1,060 करोड़ रुपए ही जुटाए जा सके।

पिछला मुनाफा

एयरलाइन ने आखिरी बार 2017-18 में मुनाफा कमाया था, जब उसने 557.4 करोड़ रुपए का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट दर्ज किया था।

महीने के आखिरी कारोबारी दिन बाजार में रौनक, निवेशकों पर बरसे 1.75 लाख करोड़

पहली तिमाही के आर्थिक आंकड़ों के आने से पहले और महीने के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार शानदार रौनक देखी जा रही है। सेंसेक्स और निफ्टी आज सुबह कारोबार की शुरुआत से ही नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए हैं। सुबह 9 :15 बजे बाजार खुलते ही...

नईदिल्ली: पहली तिमाही के आर्थिक आंकड़ों के आने से पहले और महीने के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार शानदार रौनक देखी जा रही है। सेंसेक्स और निफ्टी आज सुबह कारोबार की शुरुआत से ही नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए हैं। सुबह 9:15 बजे बाजार खुलते ही सेंसेक्स लगभग 320 अंकों की तेजी के साथ और निफ्टी लगभग 95 अंकों की बढ़त के साथ खुले। सुबह 9:40 बजे तक, सेंसेक्स करीब 250 अंकों की तेजी के साथ 82,381 अंक पर और निफ्टी 75 अंकों की बढ़त के साथ 25,226 अंक पर कारोबार कर रहे थे। बाजार में आई इस तेजी से निवेशकों को बाजार खुलते ही 1.75 लाख करोड़ रुपए का फायदा हुआ है।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स पर ज्यादातर बड़े शेयर फायदे में थे। बजाज फिनसर्व सबसे ज्यादा डेढ़ फीसदी चढ़ा हुआ था। टाइटन, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस जैसे शेयर भी 1-1 फीसदी से ज्यादा के फायदे में थे। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से सिर्फ 6 शेयर लुढ़के हुए थे। चारों बड़े आईटी शेयर टीसीएस, इंफोसिस, एचसीएल टेक और टेक महिंद्रा नुकसान में थे।

निवेशकों की 1.75 लाख करोड़ बढ़ी दौलत

बीते कारोबारी दिन यानी 29 अगस्त 2024 को बीएसई पर लिस्टेड सभी शेयरों का कुल मार्केट कैप 4,62,56,079.12 करोड़ रुपए था। आज यानी 30 अगस्त 2024 को मार्केट खुलते ही यह 4,64,31,348.69 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इसका मतलब हुआ कि निवेशकों की दौलत 1,75,269.57 करोड़ रुपए बढ़ गई है।

ग्लोबल बाजार का हाल

अमेरिका में जीडीपी के डेटा के बाद बाजार का माहौल कुछ बेहतर हुआ। गुरुवार को वॉल स्ट्रीट पर डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.59 फीसदी के फायदे में रहा। हालांकि एसएंडपी500 लगभग स्थिर रहा, जबकि नास्डैक कंपोजिट इंडेक्स में 0.23 फीसदी की हल्की गिरावट आई। एशियाई बाजार आज फायदे में कारोबार कर रहे हैं। जापान का निक्की हल्की तेजी में है, जबकि टॉपिक्स 0.23 फीसदी चढ़ा हुआ है। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.55 फीसदी और कोस्डैक 0.74 फीसदी चढ़ा हुआ है। हालांकि हांगकांग का हैंगसेंग इंडेक्स आज खराब शुरुआत के संकेत दे रहा है।

दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 11वें नंबर पर अम्बानी, जानें लिस्ट में कहां हैं गौतम अडानी

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। गुरुवार को रिलायंस इंडस्ट्रीज की वार्षिक आम बैठक (AGM) में कंपनी के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने निवेशकों को संबोधित किया और हर शेयर पर एक बोनस शेयर देने की घोषणा की। यह सात साल बाद किया गया एक अहम फैसला है, जिससे कंपनी के 35 लाख से अधिक निवेशकों को फायदा होगा। इस घोषणा के बाद रिलायंस के शेयरों में जबरदस्त तेजी आई। कंपनी के शेयरों में इस बढ़ोतरी से रिलायंस का मार्केट कैप भी बढ़ा और मुकेश अंबानी की संपत्ति में भी वृद्धि हुई।

गुरुवार को मुकेश अंबानी की संपत्ति में लगभग 15 हजार करोड़ रुपए का इजाफा हुआ। ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के अनुसार, बर्नार्ड अरनॉल्ट के बाद मुकेश अंबानी की संपत्ति में सबसे ज्यादा वृद्धि हुई है। दूसरी ओर गौतम अडानी की संपत्ति में गिरावट के कारण वह दुनिया के टॉप 15 अरबपतियों की सूची में 15वें स्थान पर खिसक गए हैं।

मुकेश अंबानी की संपत्ति में वृद्धि

ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स (Bloomberg Billionaires Index) के अनुसार, मुकेश अंबानी की संपत्ति में 1.77 अरब डॉलर (लगभग 15 हजार करोड़ रुपए) का इजाफा हुआ है। इस वृद्धि के बाद, मुकेश अंबानी की कुल संपत्ति 114 अरब डॉलर हो गई है, जिससे वह दुनिया के 11वें सबसे अमीर व्यक्ति बने हुए हैं। मौजूदा साल में उनकी कुल संपत्ति में 17.7 अरब डॉलर की वृद्धि हुई है। पिछले एक साल में, अंबानी की नेटवर्थ में लगभग 22 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है।

गौतम अडानी की संपत्ति में गिरावट

दूसरी ओर गौतम अडानी की संपत्ति में गुरुवार को मामूली गिरावट आई, जिससे उनकी कुल संपत्ति 101 अरब डॉलर रह गई। इस साल गौतम अडानी की नेटवर्थ में 16.6 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है, जबकि पिछले एक साल में यह 37 अरब डॉलर बढ़ी थी। हालांकि, पिछले एक महीने में उनकी संपत्ति में लगभग 4 अरब डॉलर की कमी आई है, जिससे वह दुनिया के 15वें सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं, जबकि कुछ दिन पहले वह 12वें स्थान पर थे।

मुकेश अंबानी दुनिया के अमीरों की सूची में फिसले, nvidia के सीईओ ने पछाड़ा

मुकेश अंबानी दुनिया के अमीरों की सूची में फिसले, nvidia के सीईओ ने पछाड़ा

30,000 करोड़ रुपए के शेयर बेचने की तैयारी में Adani Group, जानें क्या है कारण?

30,000 करोड़ रुपए के शेयर बेचने की तैयारी में Adani Group, जानें क्या है कारण?

कौन-कौन हैं टॉप 10 में

दुनिया के टॉप 10 अमीरों में से सात की नेटवर्थ में गुरुवार को तेजी आई। एलन मस्क 234 अरब डॉलर के साथ पहले नंबर पर डटे हुए हैं। दूर-दूर तक कोई उनकी टक्कर में नहीं है। फ्रांस के बर्नार्ड अरनॉल्ट 198 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दूसरे नंबर पर हैं। ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस (196 अरब डॉलर) तीसरे, मार्क जकरबर्ग (184 अरब डॉलर), बिल गेट्स (160 अरब डॉलर), लैरी एलिसन (154 अरब डॉलर), वॉरेन बफे (148 अरब डॉलर), लैरी पेज (146 अरब डॉलर), स्टीव बालमर (143 अरब डॉलर) नौवें और सर्गेई ब्रिन (138 अरब डॉलर) दसवें नंबर पर हैं। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी 101 अरब डॉलर के साथ 15वें नंबर पर हैं। गुरुवार को उनकी नेटवर्थ में 38.2 करोड़ डॉलर की गिरावट आई।

Moody's ने इस साल भारत की वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.2% किया

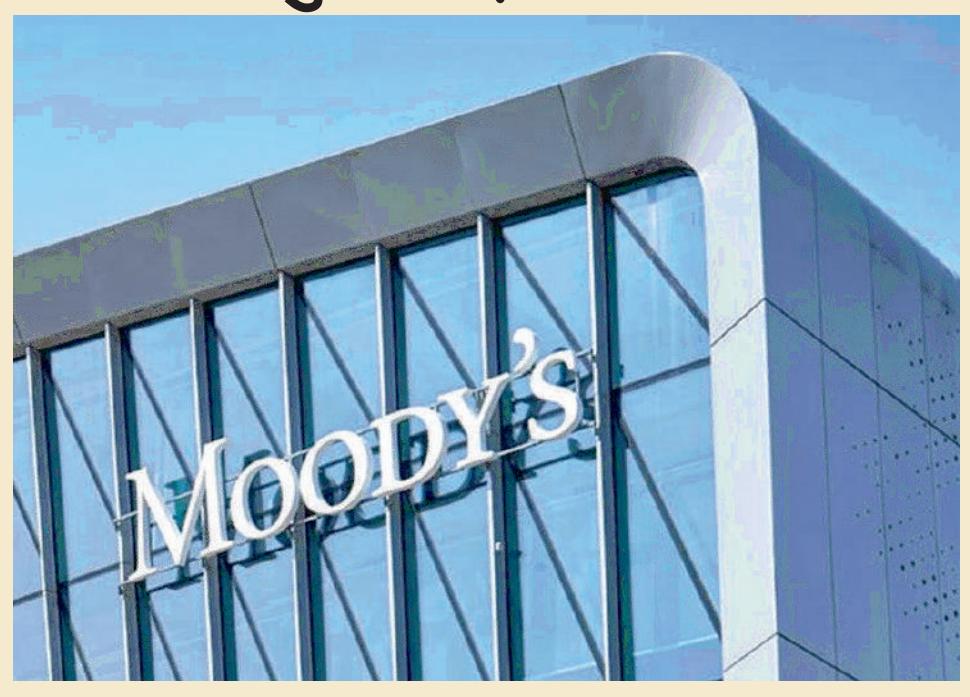

मूडीज रेटिंग्स ने गुरुवार को साल 2024 और 2025 के लिए भारत की इकॉनामिक ग्रोथ के पूर्वानुमान को बढ़ा दिया। रेटिंग एजेंसी ने इसे बढ़ाकर 7.2 फीसदी और 6.6 फीसदी कर दिया। रेटिंग एजेंसी ने वैश्विक परिदृश्य 2024-25 के अगस्त संस्करण को जारी करते हुए कहा कि...

नईदिल्ली: मूडीज रेटिंग्स ने गुरुवार को साल 2024 और 2025 के लिए भारत की इकॉनामिक ग्रोथ के पूर्वानुमान को बढ़ा दिया। रेटिंग एजेंसी ने इसे बढ़ाकर 7.2 फीसदी और 6.6 फीसदी कर दिया। रेटिंग एजेंसी ने वैश्विक परिदृश्य 2024-25 के अगस्त संस्करण को जारी करते हुए कहा कि अगर निजी खपत को रफ्तार मिलती है तो भारत की आर्थिक वृद्धि की गति इससे भी अधिक रह सकती है।

मूडीज ने अपनी रिपोर्ट में कहा, 'एक व्यापक आर्थिक नजरिये से देखें तो भारतीय अर्थव्यवस्था ठोस वृद्धि और कम होती महंगाई के मेल के साथ अच्छी स्थिति में है।'

2024 में जीडीपी ग्रोथ 7.2% रहने का अनुमान

रेटिंग एजेंसी का अनुमान है कि मौजूदा साल में भारत की जीडीपी ग्रोथ 7.2 फीसदी होगी। जबकि पहले इसका अनुमान 6.8 फीसदी रहने का था। वहीं, साल 2025 में देश की आर्थिक वृद्धि का अनुमान 6.6 फीसदी है। जबकि पिछला अनुमान 6.4 फीसदी था।

सख्त मौद्रिक नीति के जारी रहने और राजकोषीय सशक्तीकरण की दिशा में जारी प्रयासों के बावजूद 2024 की पहली तिमाही में अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 7.8 फीसदी रही। मूडीज ने कहा कि मानसून के समय सामान्य से अधिक बारिश के बीच कृषि उत्पादन की बेहतर संभावनाओं के कारण ग्रामीण मांग में सुधार के संकेत नजर आ रहे हैं।

'तारीख पर तारीख की संस्कृति बदलने की जरूरत', राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा- महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध चिंता का विषय

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भारत मंडपम में जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि अदालतों में लंबित मामलों का होना हम सभी के लिए एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने अदालतों में स्थगन की संस्कृति को बदलने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाने की जरूरत पर जोर दिया।

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने अदालतों में 'तारीख पर तारीख' संस्कृति को बदलने की जरूरत पर बल दिया है। राष्ट्रपति ने कहा कि त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए अदालतों में 'स्थगन की संस्कृति' बदलने के प्रयास करने की जरूरत है।

वहीं, मेघवाल ने न्याय व्यवस्था में 'तारीख पर तारीख' की सामान्य धारणा को तोड़ने के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया ताकि न्यायपालिका के प्रति नागरिकों का विश्वास मजबूत हो सके। भारत मंडपम में जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि अदालतों में लंबित मामलों का होना 'हम सभी' के लिए एक बड़ी चुनौती है।

स्थगन की संस्कृति को बदलना होगा: राष्ट्रपति

उन्होंने कहा कि इसलिए अदालतों में स्थगन की संस्कृति को बदलने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाने की जरूरत है। न्याय की रक्षा देश के सभी न्यायाधीशों की जिम्मेदारी है। महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध गंभीर चिंता का विषय है।

उन्होंने कहा कि अदालती माहौल में आम लोगों का तनाव का स्तर बढ़ जाता है। उन्होंने इस विषय पर अध्ययन करने का सुझाव दिया। साथ ही महिला न्यायिक अधिकारियों की संख्या में वृद्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की। राष्ट्रपति ने दोहराया कि देश के हर न्यायाधीश को लोग भगवान मानते हैं, इसलिए हर न्यायाधीश व न्यायिक अधिकारी का नैतिक दायित्व है कि वे धर्म, सत्य एवं न्याय का सम्मान करें।

'अदालतें तय करती हैं न्यायपालिका की छवि'

उन्होंने कहा कि जिला स्तरीय अदालतें करोड़ों नागरिकों के मन में न्यायपालिका की छवि तय करती हैं। इसलिए जिला अदालतों के जरिये लोगों को संवेदनशीलता व तत्परता के साथ और कम खर्च पर न्याय प्रदान करना न्यायपालिका की सफलता का आधार है। उन्होंने लंबे समय से लंबित मामलों पर चिंता जताते हुए विशेष लोक अदालत जैसे कार्यक्रम आयोजित करने पर जोर दिया।

समारोह में कानून मंत्री मेघवाल ने 'लंबे समय से लंबित मुकदमों' का गहन विश्लेषण करने का भी प्रस्ताव किया। उन्होंने कहा कि लंबित मुकदमों का विश्लेषण और समान मामलों को एक साथ जोड़ने से अदालतों में लंबित मामलों की संख्या कम करने में मदद मिल सकती है, साथ ही ऐसी व्यवस्था लागू करने के लिए कुछ हाई कोर्टों की सराहना भी की। उनके मंत्रालय ने सभी के लिए न्याय का लक्ष्य तय किया है। इस प्रस्तावित कार्यक्रम में लोगों के लिए उनके दरवाजे पर किफायती, त्वरित और प्रौद्योगिकी आधारित नागरिक-केंद्रित न्याय उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है।

राष्ट्रपति ने जारी किया सुप्रीम कोर्ट का ध्वज और प्रतीक चिह्न

उन्होंने ऐसा वातावरण बनाने का आह्वान भी किया जिसमें कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति को भी महसूस हो कि उसे न्याय मिल रहा है। ऐसे प्रयासों से न्याय व्यवस्था में लोगों का भरोसा और मजबूत होगा। कार्यक्रम में राष्ट्रपति मुर्मु ने स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने पर सुप्रीम कोर्ट का ध्वज और प्रतीक चिह्न भी जारी किया।

ग़ज़ल : अहसांस आस-पास

किसी का होना इतना आसाँ नहीं।
जब ख़ुद की ही कोई पहचान नहीं।

तुम्हें तो डूब के करना होगा प्यार।
बिन इसके अपना जीना है बेकार।

चाहे हो जाए कितनी भी तकरार।
एक-दूजे पर कभी ना करना वार।

खूब खाओ कसमें निभाओं रसमें।
जमाने को करलों अपने ही बस में।

एक तू है जिसका मुझे अहसांस है।
ऐसा लगता है तू मेरे आस-पास है।

-संजय एम .तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
व्हाट्सएप नंबर 9826025986

मणिपुर में नहीं थम रहा हिंसा का दौर, उग्रवादियों की गोलीबारी में दो लोगों की मौत, नौ घायल

मणिपुर में शांति स्थापित करने की तमाम कोशिशों के बीच हिंसा का दौर लगातार जारी है। रविवार को ताजा घटना में उग्रवादियों ने हमला कर दो लोगों की जान ले ली। वहीं हमले में नौ लोग घायल भी हो गए हैं। गोलाबारी के कारण कई घर भी क्षतिग्रस्त हो गए हैं। राज्य सरकार ने बयान जारी कर ग्रामीणों पर हमले की निंदा की है।

इंफाल। मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले में रविवार को उग्रवादियों के हमले में एक महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए। घायलों में महिला की बेटी और एक पुलिस अधिकारी एन. रॉबर्ट भी शामिल हैं।

पुलिस ने बताया कि उग्रवादियों ने पहाड़ी इलाकों से कोत्रुक और कडांगबांद के घाटी क्षेत्रों की ओर अंधाधुंध गोलीबारी की। उग्रवादियों ने बम भी फेंके। नौ घायलों में से पांच को गोली लगी है, जबकि अन्य को बम विस्फोटों से छर्रे लगे हैं। गोलाबारी के कारण कई घर भी क्षतिग्रस्त हो गए।

राज्य सरकार ने की हमले की निंदा

मृतक महिला की पहचान नगांगबाम सुरबाला देवी के रूप में हुई है। महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान संस्थान (आरआईएमएस) ले जाया गया है। दूसरे मृतक की पहचान अभी नहीं हो पाई है। राज्य सरकार ने ग्रामीणों पर हमले की निंदा की है।

गृह विभाग ने बयान में कहा, 'राज्य सरकार को निहत्थे ग्रामीणों पर ड्रोन, बम और अत्याधुनिक हथियारों से हमला करने की घटना के बारे में पता चला है। हमले में कथित तौर पर कुकी उग्रवादियों ने महिला समेत दो लोगों की हत्या कर दी। निहत्थे ग्रामीणों को आतंकित करने के ऐसे कृत्य को राज्य सरकार गंभीरता से लेती है।'

सरकार ने कहा- शांति लाने के प्रयास जारी

बयान में कहा गया कि सरकार राज्य में सामान्य स्थिति और शांति लाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। इस करतूत को राज्य में शांति स्थापित करने के प्रयासों को पटरी से उतारने की कोशिश माना जा रहा है।

तेलंगाना में भारी बारिश से 10 की मौत, आंध्र प्रदेश में भी बिगड़े हालात; पीएम मोदी ने मुख्यमंत्रियों से की फोन पर बात

गुजरात में तबाही मचाने के बाद अब तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में भी भारी बारिश कहर बनकर टूटी है। तेलंगाना में बारिश के चलते अब तक नौ लोगों के मौत की खबर है। वहीं आंध्र प्रदेश में भी बारिश आफत बनी है। प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों से फोन पर बात की है और केंद्र की ओर से हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया है।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के मुख्यमंत्रियों को उनके राज्यों में भारी बारिश के बाद उत्पन्न संकट से निपटने के लिए केंद्र की ओर से हरसंभव मदद का आश्वासन दिया।

अधिकारियों ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि पीएम मोदी ने भारी बारिश और बाढ़ के मद्देनजर दोनों मुख्यमंत्रियों- आंध्र प्रदेश के एन चंद्रबाबू नायडू और तेलंगाना के ए रेवंत रेड्डी से फोन पर बात की।

तेलंगाना में 10 लोगों की मौत

उन्होंने इस चुनौती से निपटने के लिए केंद्र की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। तेलंगाना में बारिश से संबंधित अलग-अलग घटनाओं में 10 लोगों की मौत हो गई, क्योंकि रविवार को हैदराबाद सहित राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश जारी रही।

आंध्र में 17 हजार लोगों को किया गया स्थानांतरित

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि रेड्डी ने राज्य में लगातार बारिश के मद्देनजर आपातकालीन समीक्षा की और मंत्रियों से फोन पर बात की और जलमग्न इलाकों में राहत उपायों पर चर्चा की।

आंध्र में पिछले दो दिनों में हुई अभूतपूर्व बारिश ने कई स्थानों पर, विशेषकर विजयवाड़ा और आसपास के इलाकों में जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है, जबकि राज्य भर से 17,000 बारिश प्रभावित लोगों को निकाला गया है।

रिभेंशा बिस्वबिद्यालय के नाम बदलने को लेकर राजनीति तेज हो गई है

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड
उडीशा

भुबनेश्वर : रिभेंशा बिस्वबिद्यालय के नाम बदलने को लेकर राजनीति तेज हो गई है । केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर बीजेडी ने निशाना साधा है । केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान रेवेन्सा की नाम बदलने वाली टिप्पणी पर राजनीति गरमा गई है। बिजेड़ी ने केंद्रीय मंत्री के बयान की कड़ी आलोचना की है । पुनर्जागरण ब्रांड को नष्ट मत करो ।बीजेजे प्रवक्ता लेनिन मोहंती ने कहा कि ओडिशा अजमीता और नाओ के अकाल के समय के बारे में बात करना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इस तरह का बयान देने से पहले उन्हें थोड़ा इतिहास पढ़ना चाहिए था ।

बिजेड़ी ने कहा कि केंद्रीय मंत्री को ओडिशा की उच्च शिक्षा में थॉमस एडवर्ड रेवेनशॉ के योगदान को समझना चाहिए । दूसरी ओर, बीजेपी प्रवक्ता अनिल बिस्वाल ने बिजेड़ी की घटना की कड़ी आलोचना की है । अब बिजेड़ी ने सारी सीमाएं तोड़ दी हैं । बिजेड़ी नेता जो गैर-रूढ़िवादी अधिकारियों के लिए बहस करते थे, अब अस्तित्वहीन ब्रिटिश अधिकारियों के लिए बहस कर रहे हैं। बीजेपी प्रवक्ता ने कहा कि बिजेड़ी जानबूझकर रेवेन्सा को राजनीति में घसीट रही है ।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्होंने जो कहा उस पर बहस होनी चाहिए । बीजेपी प्रवक्ता अनिल बिस्वाल ने बिजेड़ी पर जानबूझकर नवजागरण को राजनीति में घसीटने का आरोप लगाया । कल केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपनी निजी राय जाहिर करते हुए कहा कि रेवेन्ज़ा यूनिवर्सिटी का नाम बदलने की ज़रूरत है । केंद्रीय मंत्री ने यह विचार कटक के उड़िया बाजार स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस जन्मस्थान संग्रहालय में आयोजित नेताजी मेमोरियल इंस्टीट्यूट की उद्घाटन बैठक में भाग लेने के दौरान व्यक्त किया।

क्या यह आज ऐसे देश में स्वीकार्य है? CJI ने क्यों कहा- राष्ट्रीय स्तर की न्यायिक भर्ती के बारे में सोचें

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ ने न्यायिक सेवाओं के लिए राष्ट्रीय स्तर की भर्ती प्रक्रिया की वकालत की। उन्होंने कहा कि हमें इस तथ्य को बदलना चाहिए कि जिला स्तर पर हमारे न्यायालयों के बुनियादी ढांचे का केवल 6.7 प्रतिशत ही महिलाओं के अनुकूल है। साथ ही उन्होंने भर्ती कैलेंडर को मानकीकृत करने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने रविवार को न्यायिक सेवाओं के लिए राष्ट्रीय स्तर की भर्ती प्रक्रिया की वकालत करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि हम क्षेत्रवाद और राज्य-केंद्रित चयन की संकीर्ण दीवारों से आगे बढ़ें।

भारत मंडपम में जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित करते हुए प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने सम्मेलन में कहा कि हमें इस तथ्य को बदलना चाहिए कि जिला स्तर पर हमारे न्यायालयों के बुनियादी ढांचे का केवल 6.7 प्रतिशत ही महिलाओं के अनुकूल है।

'क्या देश में स्वीकार्य है?'

उन्होंने कहा कि क्या यह आज ऐसे देश में स्वीकार्य है, जहां कुछ राज्यों में भर्ती के बुनियादी स्तर पर 60 या 70 प्रतिशत से अधिक महिलाओं की भर्तियां होती हैं? चीफ जस्टिस ने कहा, 'हमारा ध्यान सुलभता के उपाय बढ़ाने पर है, जिन्हें बुनियादी ढांचे के ऑडिट करके समझा जा सकता है। अदालत में चिकित्सा सुविधाएं, क्रेच और ई-सेवा केंद्र व वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग जैसी तकनीकी परियोजनाएं खोलना, इन प्रयासों का उद्देश्य न्याय तक पहुंच बढ़ाना है।'

'जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन' के समापन समारोह में बोलते हुए सीजेआई का मानना था कि लंबित मामलों की उच्च संख्या से निपटने के लिए कुशल कर्मियों को आकर्षित करना महत्वपूर्ण है और उन्होंने देश भर में भर्ती कैलेंडर को मानकीकृत करने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि रिक्तियों को समय पर भरा जाए।

मानक भर्ती प्रक्रिया पर दिया जोर

उन्होंने कहा, 'हमें यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारी अदालतें समाज के सभी सदस्यों, विशेष रूप से महिलाओं और अन्य कमजोर समूहों जैसे विकलांग व्यक्तियों, एससी-एसटी के सदस्यों और विभिन्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के लोगों के लिए सुरक्षित और अनुकूल वातावरण प्रदान करें।' जस्टिस चंद्रचूड़ ने यह भी बताया कि हाल में संपन्न पहली राष्ट्रीय लोक अदालत में पांच कार्य दिवसों में लगभग 1,000 मामलों का निपटारा सौहार्दपूर्ण ढंग से किया गया।

उन्होंने बताया कि इसके साथ ही केस मैनेजमेंट के जरिये लंबित मामलों को घटाने के लिए एक कुशल कार्ययोजना भी बनाई गई है। प्रधान न्यायाधीश ने एक मानक भर्ती प्रक्रिया पर जोर दिया जो क्षेत्रीय व राज्य-विशिष्ट पूर्वाग्रहों से परे हो और जो राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा दे एवं न्यायाधीशों का अधिक न्यायसंगत चयन सुनिश्चित करे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023